दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

शुक्रवार 03 अक्टूबर 2025
सुर्योदय प्रात: 06:15 बजे
सूर्यास्त सांय 18:05 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 संघ के सौ साल में हासिल है मोदी के 11 साल!

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 349 | गाजियाबाद, शुक्रवार 03 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

सोनिया ने बापू तथा शास्त्री की समाधि पर किये पुष्प अर्पित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस संसदीय दल की नेता तथा पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनकी समाधि पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रीमती गांधी पहले बापू के समाधि स्थल राजघाट गई और पुष्प अर्पित कर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि दी। उसके बाद उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की समाधि विजयघाट जाकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। देश को सत्य, शांति और अहिंसा का मार्ग दिखाने वाले बापू और अपने दृढ़ संकल्प से देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शास्त्री जी को आज पूरा देश याद कर रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अस्वस्थ होने के कारण बेंगलुरु में उपचाराधीन हैं जबकि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी देश में नहीं हैं। दिल्ली में मौजूद श्रीमती गांधी ने कांग्रेस की तरफ से दोनों महापुरुषों अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

उपराष्ट्रपति ने गांधी और शास्त्री को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी और वंचितों के उत्थान में उनके योगदान को याद किया। राधाकृष्णन ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि गांधी ने अपने जीवन और शिक्षाओं के माध्यम से मानवता को सत्य, प्रेम और निःस्वार्थ सेवा का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि उनका पूरा जीवन वास्तव में सत्य के साथ एक प्रयोग था। एक अन्य पोस्ट में राधाकृष्णन ने कहा कि शास्त्री का जीवन और नेतृत्व सादगी और ईमानदारी का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि शास्त्री के अटल समर्पण और नैतिक साहस ने पीढ़ियों को देश की भलाई के लिए व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठने के लिए प्रेरित किया है।

सभी राज्यों में एसआईआर होंगे : निर्वाचन आयोग

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारतीय निर्वाचन आयोग ने कहा कि बिहार की तर्ज पर सभी राज्यों में जल्द ही मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया जाएगा और मृत व्यक्तियों के नाम हटाएं जाएंगे। निर्वाचन आयोग ने कहा कि मतदाता सूची को तेजी से अपडेट करने के लिए अब आयोग मृत्यु पंजीकरण डाटा को इलेक्ट्रॉनिक रूप में रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया से प्राप्त करेगा। इससे मतदान पंजीकरण अधिकारी को समय पर सूचना मिलेगी और बीएलओ वास्तविक जांच करके जानकारी की पुष्टि कर सकेंगे। आयोग ने बताया कि लोगों को अपने परिवार में हुई मौत की जानकारी नहीं देते, जिससे मतदाता सूची अपडेट करने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। आयोग ने कहा कि डाटा लिंकिंग मजबूत होने के बाद मृत मतदाताओं की जानकारी जल्दी मिल जाएगी और मतदाता सूची तेजी से अपडेट हो जाएगी।

अभिषेक-ऐश्वर्या ने यूट्यूब से चार करोड़ का हर्जाना मांगा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। बॉलिवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन और उनकी पत्नी ऐश्वर्या राय ने एआई डीपफेक वीडियो के लिए यूट्यूब और गूगल के खिलाफ मुकदमा दायर कर 4 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है। बच्चन दंपत्ति के व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट के एक आदेश के बाद, इस जोड़े ने यह कानूनी कदम उठाया। एक समाचार एजेंसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, याचिका 6 सितंबर को दायर की गई। याचिका में उन वीडियो को हटाने और स्थायी रूप से प्रतिबंधित करने का अनुरोध किया गया है जो इस दंपत्ति के अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। बच्चन परिवार ने सामग्री निर्माण में एआई के दुरुपयोग को लेकर बढ़ती चिंताओं का हवाला दिया।

मुर्मु, राधाकृष्णन और मोदी सहित कई नेताओं ने अर्पित की महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई अन्य नेताओं ने गुरुवार को गांधी जयंती के अवसर पर बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर श्रीमती मुर्मु, श्री राधाकृष्णन और श्री मोदी सहित कई अन्य नेता महात्मा गांधी की समाधि स्थल राजघाट पहुंचे और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति राजघाट पर महात्मा गांधी की 156वीं जयंती के अवसर पर आयोजि सर्व धर्म प्रार्थना में भी शामिल हुयीं। इससे पहले श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, "गाँधी जयंती, प्रिय बापू के असाधारण जीवन को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिनके आदर्शों ने मानव इतिहास की दिशा बदल दी।

उन्होंने दिखाया कि कैसे साहस और सादगी महान परिवर्तन के साधन बन सकते हैं। वे सेवा और करुणा की शक्ति को लोगों को सशक्त बनाने के अनिवार्य साधन मानते थे। हम एक विकसित भारत के निर्माण के अपने अभियान में उनके बताए मार्ग पर चलते रहेंगे।" केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, "देशवासियों को संगठित कर स्वाधीनता के आन्दोलन के लिए प्रेरित करने वाले महात्मा गाँधी जी ने ग्राम स्वराज और सहकार के माध्यम से देश को आर्थिक और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का मूलमंत्र दिया। उन्होंने स्वदेशी, स्वभाषा, स्वसंस्कृति और स्वच्छता को भारतीय समाज के मूल दर्शन के रूप में स्थापित किया।

उनके सत्य, अहिंसा और शांति के विचार मानवता को अनंतकाल तक प्रेरणा देते रहेंगे। महात्मा गाँधी जी की जयंती पर उन्हें सादर पूर्वक नमन करता हूँ।" वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, "आज दो अक्तूबर है, राष्ट्रपति महात्मा गांधी की जयंती है। यह पूरी दुनिया के लिए शोध और जिज्ञासा का विषय रहा है कि क्या केवल सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर ही स्वतंत्रता प्राप्त की जा सकती है, लेकिन भारत ने यह कर दिखाया। इतना ही नहीं, स्वदेशी का भी आजादी की लड़ाई में बहुत बड़ा योगदान रहा... भारत की आजादी की लड़ाई ने दिखाया कि सत्य, अहिंसा और स्वदेशी के सहारे भी सदियों की गुलामी से आजादी मिल सकती है।" उल्लेखनीय है कि श्री मोहनदास करमचंद गांधी का जन्म ०ो अक्टूबर, 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। महात्मा गांधी ने अहिंसा और सत्याग्रह के अपने दर्शन के माध्यम से लाखों भारतीयों को ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया था।

RSS का सिक्का 60 रुपये का होना चाहिए था, जितनी अंग्रेज सावरकर को देते थे पेंशन : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

देश में आजादी के इतिहास पर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। इसकी वजह है- सरकार की तरफ से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के योगदान पर डाक टिकट और 100 रुपये का विशेष स्मारक सिक्का जारी करना।

लेकिन कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार इतिहास को चाहे जितना बदलने की कोशिश करे, देश हमेशा महात्मा गांधी का ही रहेगा। पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अगर आरएसएस के नाम पर सिक्का जारी करना ही था तो वह 60 रुपये का होना चाहिए था। वही 60 रुपये जो स्वतंत्रता सेनानी कहे जाने वाले विनायक दामोदर सावरकर को अंग्रेजों से पेंशन के तौर पर मिला करता था।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर डाक टिकट जारी करना था तो वह ब्रिटिश पोस्ट का करना चाहिए था, जिससे सावरकर अंग्रेजों को अपनी दया याचिकाएं भेजते थे।'

गांधी बनाम सावरकर पर राजनीति

पवन खेड़ा ने आरएसएस और भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि चाहे कितने भी सिक्के छापे जाएं, डाक टिकट निकाले जाएं या पाठ्यक्रम में आरएसएस की विचारधारा भरी जाए, 'यह देश गांधी का था, है और रहेगा।' उन्होंने यह भी कहा कि एक दिन सत्ता से बाहर होने के बाद आरएसएस-भाजपा की विचारधारा को लोग ऐसे निकाल फेंकेंगे जैसे दूध से मक्खी निकाली जाती है।

सरकार का पक्ष और मोदी का बयान

रएसएस का स्मारक सिक्का जारी को जारी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर कहा कि यह संभवतः स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार है कि भारतीय मुद्रा पर भारत माता की छवि छपी है। 100 रुपये के सिक्के पर एक ओर राष्ट्रीय प्रतीक (अशोक श्तंभ का शेर) और दूसरी ओर वर मुद्रा में भारत माता का चित्र है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने चलाया तीर देश ने किया शहीदों को नमन मोदी का कार्यक्रम रद्द

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

देशभर में आज विजयदशमी यानी दशहरे का पर्व पूरे उत्साह और धार्मिक आस्था के साथ मनाया जा रहा है। "

आज का दिन न केवल बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, बल्कि समाज को धर्म, साहस, सकारात्मक ऊर्जा और पारिवारिक एकता का संदेश भी देता है। वहीं रावण दहन के साथ ही शस्त्र पूजन, रामायण पाठ, सुंदरकांड और दीप प्रज्वलन जैसे धार्मिक अनुष्ठान भी हो रहे हैं।

वहीं इस साल का दशहरा विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इसे जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले में शहीद हुए 26 निर्दोष पर्यटकों को श्रद्धांजलि देने के रूप में भी मनाया जा रहा है। कई रामलीला समितियों ने घोषणा की है कि इस बार रावण के साथ-साथ आतंकवाद का पुतला भी जलाकर शहीदों को सम्मान दिया जाएगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का संदेश

दिल्ली में आयोजित श्री धार्मिक लीला समिति के विजयदशमी उत्सव में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रावण के पुतले को प्रतीकात्मक रूप से तीर चलाकर अग्नि प्रदान की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मानवता केवल अच्छाई की जीत से ही आगे बढ़ सकती है। जब आतंकवाद जैसा राक्षस समाज पर हमला करता है तो उसका विनाश करना आवश्यक हो जाता है।

राष्ट्रपति ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय सेना आतंकवाद के रावण को पराश्त कर मानवता की रक्षा कर रही है और इसके लिए पूरा देश उनके शौर्य को नमन करता है।

दिल्ली की रामलीला में भव्य पुतले

वहीं दिल्ली के आईपी एक्सटेंशन में इस बार 72 फीट ऊंचा रावण, 66 फीट का कुंभकर्ण और 60 फीट का मेघनाद का पुतला तैयार किया गया।

यहां से आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आने वाले थे, लेकिन बारिश को देखते हुए पीएम के दशहरा कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है। वह अब रावण दहन में शामिल नहीं होंगे। वहीं बता दें कि यहां के विशालकाय पुतलों को फरुखनगर के कारीगर मोहम्मद आजम और उनकी टीम ने बनाया है।

संगीत के अद्भुत 'ख्याल' : पंडित छन्नूलाल मिश्र अब नहीं रहे

✷ वेबवार्ता. लेह ✷

वाराणसी/नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (वेब वार्ता)। भारतीय शास्त्रीय संगीत की महान परंपरा को अपनी अनूठी ठुमरी, दादरा, कजरी और भक्ति गीतों से जीवंत करने वाले पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्र का 89 वर्ष की आयु में गुरुवार तड़के निधन हो गया। मिर्जापुर स्थित अपने निवास पर सुबह 4.15 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे पंडित जी कुछ समय पूर्व वाराणसी के बीएचयू अस्पताल में भर्ती रहे थे। स्वास्थ्य में सुधार होने पर उन्हें छुट्टी दे दी गई थी, किंतु हालात बिगड़ने के बाद वे फिर परिवार संग मिर्जापुर लौट आए थे।

वाराणसी में होगा अंतिम संस्कार

परिवार ने बताया कि पंडित मिश्र का पार्थिव शरीर गुरुवार सुबह मिर्जापुर से वाराणसी लाया गया। दिनभर लोग उनके अंतिम दर्शन कर सकेंगे और शाम सात बजे बनारस में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पंडित जी की संगीत साधना भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है।

सुरों की काशी में जन्मे महान कलाकार

15 अगश्त 1936 को उत्तर प्रदेश के आज़मगढ़ जिले के हरिहरपुर गांव में जन्मे पंडित छन्नूलाल मिश्र का बचपन गहरी आर्थिक कठिनाइयों में बीता।

उनके दादा गुदई महाराज प्रख्यात तबलावादक थे और पिता बद्री प्रसाद मिश्र भी कुशल तबलावादक रहे। पारिवारिक कठिनाइयों के बावजूद वे संगीत–संस्कारों से समृद्ध माहौल में पले–बढ़े।

पांच वर्ष की आयु से ही उनकी संगीत शिक्षा प्रारंभ हो गई थी। उन्होंने किराना घराने के उश्ताद अब्दुल गनी खान से ख्याल गायकी का प्रशिक्षण लिया और आगे ठाकुर जयदेव सिंह जैसे विद्वानों का सान्निध्य प्राप्त किया।

गायकी में अध्यात्म, श्रृंगार और लोक–रस का समन्वय

पंडित छन्नूलाल मिश्र की गायकी की विशेषता यह रही कि वे शास्त्रीय, अर्धशास्त्रीय और लोक संगीत को एक ही प्रवाह में प्रश्तुत करते थे। उनकी ठुमरी, चैती, होरी और कजरी में लोकजीवन की मिठास और अध्यात्म की गहराई साथ–साथ सुनाई देती थी। उन्होंने तुलसीकृत रामचरितमानस को अपने स्वरों में गाकर उसे भक्ति और लोकमंगल का अनूठा अनुभव बना दिया।

लद्दाख संकट : वांगचुक की पत्नी गीतांजलि ने किया केंद्र से सवाल- क्या भारत वाकई आज़ाद है?

✷ वेबवार्ता. लेह ✷

लद्दाख में जारी उथल-पुथल के बीच सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने लद्दाख की मौजूदा स्थिति की तुलना ब्रिटिश शासन काल से की और गृह मंत्रालय पर पुलिस बल का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। गीतांजलि ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि क्या भारत वाकई आज़ाद है? 1857 में 24,000 अंग्रेजों ने महारानी के आदेश पर 300 मिलियन भारतीयों पर अत्याचार करने के लिए 1,35,000 भारतीय सिपाहियों का इश्तेमाल किया था। आज, गृह मंत्रालय के आदेश पर एक दर्जन प्रशासक 2400 लद्दाखी पुलिस का दुरुपयोग करके 3 लाख लद्दाखियों पर अत्याचार कर रहे हैं।

वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद बढ़ा विवाद सोनम वांगचुक को लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संवैधानिक सुरक्षा की मांग को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद 26 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत मामला दर्ज कर जोधपुर सेंट्रल जेल भेजा गया। 24 सितंबर को हुए प्रदर्शन में पुलिस फायरिंग और झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई थी, जिससे स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई।

राष्ट्रपति को लिखा पत्र

गीतांजलि अंगमो ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर अपील की कि वे एक आदिवासी होने के नाते लद्दाख के लोगों की भावनाओं को समझें। पत्र की प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को भी भेजी गई है। अंगमो ने अपने पत्र में सोनम वांगचुक को एक शांतिपूर्ण गांधीवादी आंदोलनकारी बताया, जो जलवायु परिवर्तन और आदिवासी इलाकों के विकास के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि वांगचुक को बिना शर्त रिहा किया जाए।

केंद्र पर बढ़ रहा दबाव

लद्दाख में जारी तनाव और वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद केंद्र सरकार पर विपक्षी दलों और स्थानीय संगठनों का दबाव बढ़ रहा है।

लोकतंत्र पर हमला भारत के लिए बड़ा खतरा : राहुल

✷ वेबवार्ता. बोगोटा /नई दिल्ली ✷

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को केंद्र की एनडीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकतंत्र पर हमला भारत के लिए एक बड़ा खतरा है।

राहुल गांधी ने कोलंबिया के ईआईए विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में अनेक धर्म, परंपराएं और भाषाएं हैं। एक लोकतांत्रिक व्यवस्था सभी के लिए जगह प्रदान करती है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था धार्मिक मान्यताओं सहित विभिन्न परंपराओं, रीति-रिवाजों और विचारों को पनपने का अवसर देती है। उन्होंने कहा कि इस समय भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला हो रहा है, जो एक बड़ा खतरा है।

राहुल गांधी ने कहा कि भारत में इंजीनियरिंग और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में मजबूत क्षमताएं हैं, इसलिए मैं देश को लेकर बहुत आशावादी हूं। उन्होंने कहा कि ढांचे में कुछ खामियां भी हैं जिन्हें भारत को ठीक करना होगा।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत में सत्ता में बैठे लोग चाहते हैं कि हर संस्थान सिर्फ उनके हिसाब से काम करे। यह भारत की आत्मा के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि असहमति की आवाज को लोकतंत्र में जगह मिलनी चाहिए। कांग्रेस सांसद ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा की विचारधारा के मूल में कायरता है।

इसके लिए उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के 2023 में चीन को लेकर दिए बयान का हवाला दिया। राहुल ने कहा कि अगर आप विदेश मंत्री के एक बयान पर गौर करें, तो उन्होंने कहा था कि चीन हमसे कहीं ज्यादा शक्तिशाली है। हम उनसे कैसे लड़ सकता हैं? कांग्रेस नेता ने कहा कि इस विचारधारा के मूल में कायरता है। वे कमजोर लोगों को मारते हैं और ताकतवर लोगों से दूर भागते हैं। यही भाजपा-आरएसएस का स्वभाव है। राहुल गांधी ने हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर की किताब से एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि सावरकर ने लिखा है कि एक बार उन्होंने और उनके दोश्तों ने मिलकर एक मुसलमान शख्स को पीटा और उस दिन वे बहुत खुश हुए। कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर पांच लोग मिलकर एक अकेले इंसान को मारते हैं और इसे जीत मानते हैं, तो यह कायरता है। यही आरएसएस की विचारधारा है- कमजोरों को पीटना।

राहुल गांधी विदेश में जाकर करते हैं भारत पर हमला : रवि शंकर

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

बीजेपी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर विदेश में भारत को बदनाम करने का आरोप लगाया है। बीजेपी के सीनियर लीडर और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने गुरुवार को कहा कि राहुल गांधी लोकतंत्र पर हमला करने की आड़ में देश और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लगातार निशाना बना रहे हैं।

वहीं बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी का रिमोट कंट्रोल विदेशी हाथों में है।

राहुल गांधी केवल सत्ता चाहते हैं: रविशंकर प्रसाद

दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रसाद ने कहा, 'राहुल गांधी विदेश में हैं। अच्छा होता अगर वे देश के लिए शुभकामनाएं देते, लेकिन वे भारत पर हमला कर रहे हैं।

वे कहते हैं कि भारत में लोकतंत्र नहीं है, जबकि यहां पूरी तरह लोकतंत्र है। असल समस्या यह है कि राहुल गांधी केवल सत्ता चाहते हैं।' प्रसाद ने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी चीन की तारीफ कर भारत को नीचा दिखाते हैं।

लोन भुगतान और बिजली बिल पर रोक

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार ने बाढ़ प्रभावित किसानों को बड़ी राहत दी है। उन्होंने बुधवार को एग्रीकल्चर लोन के भुगतान और बिजली बिलों का भुगतान करने पर फिलहाल रोक लगा दी है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बारिश और बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए इन राहत योजनाओं की घोषणा की। सीएम ने कहा कि बाढ़ प्रभावित किसानों को क्षतिपूर्ति मुआवजा दिवाली से पहले दे दिया जाएगा। सैनी ने कहा कि हाल ही में हुई भारी बारिश और बाढ़ से फसलों को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने आगे कहा, हरियाणा सरकार बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ पूरी तरह खड़ी है।

उन्होंने किसानों को त्वरित राहत पहुंचाने के कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि 'ई-क्षति' पोर्टल के माध्यम से अब तक घरों उन 2,386 लोगों

के खातों में 4 करोड़ 72 लाख रुपए की राशि सीधे पहुंचाई गई है, जिनके घर क्षतिग्रस्त हो गए थे और पशुधन नष्ट हो गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 6,397 गाँवों के 5.37 लाख किसानों ने फसल नुकसान के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराया है। उन्होंने आगे बताया कि सत्यापन पूरा होने के बाद राज्य सरकार किसानों को प्रति एकड़ 15,000 रुपये का मुआवजा देगी। उन्होंने कहा, दिवाली से पहले प्रभावित किसानों को फसल क्षति का मुआवजा मिल जाएगा।

किसानों से ऋण वसूली नहीं: मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि बाढ़ पीड़ित किसानों के लिए फसलों के ऋण स्थगित कर दिए गए हैं। जिन इलाकों में 50 फीसदी से अधिक फसल का नुकसान हुआ है, वहां किसानों से ऋण की वसूली नहीं की जाएगी। इसके साथ ही आगामी रबी फसलों के लिए भी नए ऋण उपलब्ध करवाए जाएंगे। इस कदम से 3 लाख किसानों को ऋण के बोझ से राहत मिलेगी। प्रभावित किसानों के लिए राहत की घोषणा करते हुए, सैनी ने कहा कि उनकी सरकार ने ट्यूबवेल के बिजली कनेक्शनों के बिल भुगतान को दिसंबर 2025 तक स्थगित करने का फैसला किया है।

7.10 लाख किसानों को राहत मिलेगी: उन्होंने आगे कहा कि जिन लोगों को जुलाई 2025 तक अपने बिलों का भुगतान करना था, वे बिना किसी अधिभार के जनवरी 2026 तक भुगतान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे 7.10 लाख किसानों को राहत मिलेगी। सैनी ने आगे कहा कि उनकी सरकार ने सहकारी समितियों से लिए गए खरीफ फसल ऋण की अदायगी को भी स्थगित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि यह उन ग्रामीणों के लिए होगा जिनकी 33 प्रतिशत से अधिक फसल भारी बारिश और बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो गई है। सैनी ने आगे कहा कि प्रभावित किसानों को रबी सीजन के लिए भी फसल ऋण प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए कटिबद्ध है। बाजरे की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2,757 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई है।

नोएडा वालों के लिए अच्छी खबर! दिवाली पर एकस्ट्रा फेरे लगाएंगी 305 बसें

नोएडा , एजेंसी। नोएडा और ग्रेटर नोएडा डिपो से 16 अक्तूबर से दीपावली के लिए बसें अतिरिक्त फेरे लगाएंगी। अभी तक की योजना के अनुसार 305 बसें एक हजार से अधिक फेरे लगाएंगी। त्यौहार के दौरान लखनऊ के लिए बस की संख्या बढ़ायी जाएगी। भीड़ में सीट की मारामारी से बचने के लिए लोग ऑनलाइन टिकट बुक करा सकते हैं।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा डिपो में 305 बसें हैं। इनमें नोएडा डिपो की 188 बसें हैं। सभी साधारण और सीएनजी से चलने वाली बसें हैं। दोनों डिपो से तमाम शहरों के लिए बसें चलती हैं। इसमें आगरा, मथुरा, एटा, कासगंज, बंदायू, सहारनपुर, लखनऊ, बरेली, कालागढ़, हरिद्वार, बिजनौर, हल्द्वानी, कोटद्वार, देहरादून, नजीबाबाद, मेरठ समेत अन्य शहरों के लिए बस सेवा शामिल है। डिपो की अपनी वातानुकूलित बसें नहीं हैं। हालांकि अन्य डिपो की वातानुकूलित बसें नोएडा डिपो होकर निकलती हैं। इसमें गोरखपुर, लखनऊ, आगरा, मथुरा और कुछ अन्य शहरों की बसें शामिल हैं। डिपो अधिकारियों के अनुसार दीपावली से करीब एक हफ्ते मुख्यालय की ओर से चालक, परिचालकों और कार्यशाला के कर्मचारियों के लिए प्रोत्साहन राशि योजना जारी होगी। हालांकि अभी तक की संभावित योजना के अनुसार 16 अक्तूबर से बसें अतिरिक्त फेरे लगाएंगी।

संक्षिप्त समाचार

फरीदाबाद में तीन अवैध कॉलोनियों पर गरजा बुलडोजर, 16 एकड़ जमीन कब्जा मुक्त

फरीदाबाद, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में लगातार बुलडोजर ऐक्शन चल रहा है। इस दौरान दिल्ली, गाजियाबाद, फरीदाबाद के साथ गुरुग्राम और नोएडा में भी बुलडोजर कार्रवाई चल रही है। बुधवार को फरीदाबा में एक बार फिर से प्रशासन का बुलडोजर ऐक्शन हुआ। प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई करते हुए तीन कॉलोनियों में तोड़फोड़ की। प्रशासन ने इन कॉलोनियों पर बुलडोजर कार्रवाई की वजह भी बताई है। आइए जानते हैं। प्रशासन ने फरीदाबाद में भी बुलडोजर ऐक्शन लिया है। बुधवार को डीटीपी इंफोर्समेंट विभाग की ओर से फरीदबाद के काबुलपुर बांगर में अवैध रूप से बस रही तीन कॉलोनियों में तोड़फोड़ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान करीब 16 एकड़ जमीन को कब्जा मुक्त कराया। इस दौरान कुछ लोगों ने कार्रवाई का विरोध किया ।लेकिन, पुलिस ने उन्हें समझा कर शांत कर दिया। डीटीपी इंफोर्समेंट यजन चौधरी ने बताया कि कबूलपुर बांगर क्षेत्र में अवैध रूप से तीन कॉलोनियों के बसने की सूचना मिल रही थी ।सूचना के आधार पर जांच कराई गई।

गाजियाबाद में ढाई हजार एकड़ में बनेगी सन सिटी, 6 गांवों तक होगा विस्तार

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में सन सिटी टाउनशिप छह गांवों की ढाई हजार एकड़ जमीन में बसेगी। इसकी संशोधित डीपीआर ढाई हजार एकड़ जमीन पर तैयार होगी। इसे आगामी बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। यहां से मंजूरी मिलने के बाद शासन को भेजा जाएगा। पिछले दिनों हाईटेक टाउनशिप नीति के अंतर्गत लखनऊ में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति की बैठक की गई थी। इसमें मैसर्स सन सिटी हाईटेक इंफ्रास्ट्रेक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड की संशोधित डीपीआर को मंजूरी दी गई ।ऐसे में अब टाउनशिप 2,420.11 एकड़ जमीन पर विकसित होगी। इसमें डासना, बयाना, नायफल, सादिकपुर काजीपुरा, सादतनगर इकला और रघुनाथपुर के गांव की भूमि शामिल हैं। इसके बाद संशोधित डीपीआर के क्षेत्रफल को लेकर जीडीए ने आपत्ति और सुझाव मांगे थे, जिनका पिछले महीने निस्तारण कर दिया गया। अब इस संशोधित डीपीआर को लेकर समिति मंथन कर रही है। जीडीए अधिकारी बताते हैं कि संशोधित डीपीआर को शासन से मंजूरी मिलने के बाद बिल्डर क्षेत्र में विकास कार्य शुरू कर सकेगा। वहां आवासीय और व्यावसायिक योजना लाई जाएंगी, जिससे लोगों को भूखंड और फ्लैट मिल सकेंगे। यहां ग्रुप हाउसिंग और कमर्शियल सेंटर भी विकसित होंगे। जानकार बताते हैं कि यदि संशोधित डीपीआर पर काम आगे बढ़ेगा तो लोगों को अपना घर मिल सकेगा। पहले सन सिटी की 4,312 एकड़ जमीन पर डीपीआर स्वीकृत हुई थी, लेकिन बिल्डर किसानों से जमीन नहीं खरीद सका। फिर साल 2021 में 4,312 एकड़ की बजाय 828 एकड़ जमीन पर संशोधित डीपीआर का प्रस्ताव पेश किया गया। इस 828 एकड़ जमीन में 372 एकड़ जमीन वह है, जो जीडीए द्वारा बिल्डर को अधिग्रहण और पुनर्ग्रहण के जरिये मुहैया कराई गई।

महाराष्ट्र में अब 24 घंटे खुली रहेंगी दुकानें

● केवल इन्हें नहीं मिली इजाजत; क्या आदेश? ● कर्मचारियों के लिए अनिवार्य साप्ताहिक अवकाश

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए राज्य में सभी दुकानों और प्रतिष्ठानों को 24 घंटे संचालित करने की अनुमति दे दी है। हालांकि, यह छूट उन प्रतिष्ठानों पर लागू नहीं होगी जो शराब की बिक्री या सर्व करते हैं, जैसे कि परमिट रूम, बियर बार और वाइन शॉप। इस निर्णय को लागू करने के लिए उद्योग, ऊर्जा, श्रम और खनन विभाग ने एक सर्कुलर जारी किया है।

इस सर्कुलर में स्पष्ट किया गया है कि शराब बिक्री वाले प्रतिष्ठानों को छोड़कर, राज्य की अधिकांश दुकानें और व्यवसाय अब चौबीसों घंटे खुले रह सकते हैं। यह कदम तब उठाया गया जब सरकार को कई शिकायतें मिलीं कि स्थानीय प्रशासन और पुलिस व्यवसायों को 24/7 संचालन से रोक रहे थे।

इस नए नियम के तहत, 24 घंटे संचालित होने वाले प्रतिष्ठानों के लिए एक महत्वपूर्ण शर्त यह है कि प्रत्येक कर्मचारी को प्रति सप्ताह 24 घंटे का लगातार

अवकाश देना अनिवार्य होगा। यह नियम महाराष्ट्र दुकान और प्रतिष्ठान अधिनियम, 2017 के तहत लागू किया गया है। सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय प्रशासन और पुलिस विभागों को भी सूचित किया है कि इस नियम का उचित पालन हो।

थिएटर और सिनेमाघरों को भी छूट

पहले थिएटर और सिनेमाघरों को भी उन व्यवसायों की सूची में शामिल किया गया था जिनके संचालन के घंटे नियंत्रित थे, लेकिन अब उन्हें इस सूची से हटा दिया गया है। इस निर्णय से इन क्षेत्रों में भी व्यवसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इस कदम से महाराष्ट्र में व्यवसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने और प्रतिष्ठानों को अधिक लचीलापन मिलने की उम्मीद है। यह निर्णय न केवल व्यापारियों के लिए बल्कि उपभोक्ताओं के लिए भी सुविधाजनक साबित हो सकता है, क्योंकि अब वे अपनी सुविधानुसार किसी भी समय खरीदारी या सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। सरकार ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे इस नीति का सख्ती से पालन करें।

गुरुग्राम में गरजा बुलडोजर, डीटीपी ने ढहा दिया कांग्रेस नेता का घर

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम नगर निगम ने बुधवार को अवैध निर्माण के खिलाफ जमकर ऐक्शन लिया। निमग ने कार्रवाई करते हुए सेक्टर-68 में कांग्रेस के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता राजेश यादव और उनके भाई की करोड़ों रुपये की कॉमर्शियल प्रॉपर्टी को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई बादशाहपुर स्थित तपस्या ग्रांड वॉक मॉल के सामने लगभग 1200 वर्ग गज में बने विनायक फर्नीचर शोरूम पर की गई।

तोड़फोड़ अभियान का नेतृत्व ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात डीटीपी (जिला नगर योजनाकार अधिकारी) आरएस बाठ और जेई वरुण वशिष्ठ के नेतृत्व में जोन-1 एनफोर्समेंट टीम ने किया। कार्रवाई के दौरान कांग्रेस नेता राजेश यादव मौके पर पहुंचे और विरोध करते हुए इसे राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित बताया। राजेश यादव ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई हरियाणा के कैबिनेट मंत्री के इशारे पर की जा रही है और उन्होंने डीटीपी आरएस बाठ को सुपारीबाज अधिकारी तक कह दिया। डीटीपी बाठ ने राजेश यादव के इस बयान को अवमानना मानते हुए तुरंत पुलिस को निर्देश दिया। एहतियात के तौर पर, लगभग 70 पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में पुलिस अधिकारियों ने राजेश यादव को पकड़कर उन्हें हिरासत में लिया और थाने ले गए। राजेश यादव ने आरोप लगाया कि निगम ने उन्हें अपना बचाव करने या स्ट्रक्चर खुद तोड़ने का समय नहीं दिया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें मंगलवार शाम 6:40 बजे (छुट्टी के बाद) नोटिस दिया गया, जिस पर उन्होंने सवाल उठाया। नगर निगम के जेई वरूण वशिष्ठ ने बताया कि यह भवन बिना किसी अनुमति के बनाई गई थी और इसे लेकर मालिक को लगातार एक साल से नोटिस जारी किए जा रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा नगर निगम अधिनियम 1994 की धारा 261(1) के तहत 2 जनवरी 2024 को कारण बताओ नोटिस और बाद में डिमोलिशन ऑर्डर जारी किया गया था। डीटीपी आरएस बाठ को निगम ने जोन-1 के लिए एक महीने के लिए ड्यूटी मैजिस्ट्रेट लगाया है।

हाईकोर्ट ने डॉक्टरों को चेताया- बड़े अक्षरों में साफ-साफ लिखना होगा प्रिस्क्रिप्शन

यह मरीजों का अधिकार

चंडीगढ़, एजेंसी। डॉक्टरों की लिखावटें अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। तकनीक के इस दौर में भी हाथ से वे ऐसी पर्चियां लिखते हैं कि मरीजों की समझ से बाहर होती है। कई बार तो दवा दुकानदार भी नहीं समझ पाते हैं। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट का मानना है कि ऐसी पर्चियां लिखना मरीजों की जान से खिलवाड़ करने के समान है। इतना ही नहीं, हाईकोर्ट ने

पढ़ने योग्य प्रिस्क्रिप्शन को मरीजों का मौलिक अधिकार करार दिया है।

न्यायमूर्ति जसगुरप्रीत सिंह पुरी ने कहा कि अक्सर डॉक्टरों की लिखावट इतनी खराब होती है कि मरीज या उनके परिजन समझ ही नहीं पाते कि कौन सी दवा लिखी गई है। कभी-कभी दवा बेचने वाले के गलत पढ़ने से भी गंभीर खतरे पैदा हो सकते हैं। सभी डॉक्टर अब बड़े अक्षरों में स्पष्ट लिखकर ही दवाइयां लिखें। जब तक डिजिटल प्रिस्क्रिप्शन की व्यवस्था लागू नहीं होती, यह नियम सख्ती से अपनाया जाए। मेडिकल कॉलेजों में दो साल के भीतर हैंडराइटिंग की ट्रेनिंग शुरू की जाए। उस समय आई जब कोर्ट एक मामले में बलात्कार, धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपित की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहा था। हालांकि मूल मामला अलग था, लेकिन अदालत ने इस दौरान पर्चियों की समस्या पर स्वतः संज्ञान लिया। न्यायमूर्ति पुरी ने कहा, सरकार और संस्थानों के पास इतनी तकनीक उपलब्ध होने के बावजूद अगर आज भी डॉक्टर अपठनीय लिखावट में दवाएं लिख रहे हैं।

हरियाणा में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाला एक और यूट्यूबर गिरफ्तार

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा से पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में एक और यूट्यूबर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान पलवल के हथीन के कोट गांव निवासी वसीम अकरम के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच की टीम ने 26 सितंबर को पलवल जिले के आलीमेव गांव के 35 वर्षीय तौफिक को पुलिस ने जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस रिमांड के दौरान तौफीक ने गिरोह से जुड़े लोगों और पाकिस्तानी नेटवर्क के बारे में जानकारी दी। इसके बाद वसीम अकरम को काबू किया गया। क्राइम ब्रांच प्रभारी दीपक गुलिया ने इसकी पुष्टि की है। जांच में पता चला है कि साल 2021 में वसीम ने रिश्तेदारी में मिलने के लिए पाकिस्तान जाने का वीजा बनवाया था। उसी दौरान उसकी मुलाकात पाकिस्तान दूतावास में तैनात दानिश और एक अन्य कर्मचारी से हुई थी। तभी से वसीम उनके संपर्क में था और चार साल से व्हाट्सएप के जरिए सूचनाओं का आदान-प्रदान कर रहा था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि वसीम ने दिल्ली जाकर पाकिस्तानी दूतावास के अधिकारियों को एक सिम कार्ड भी उपलब्ध कराया था। वसीम के फोन से पुलिस को कई चैट्स मिली हैं, जिनमें से कुछ डिलीट की गई थी। आरोपी के खिलाफ देशद्रोह समेत कई धाराओं में शहर थाना में केस दर्ज किया गया है। चार दिन पहले पकड़ा गया तौफिक भारतीय सैन्य गतिविधियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान उच्चायोग के एक कर्मचारी को भेज रहा था। तौफिक साल 2022 में अपने रिश्तेदारों से मिलने पाकिस्तान गया था। वह लोगों को पाकिस्तान भेजने के लिए वीजा लगवाने का काम भी करता था। वीजा लगवाकर उन्हें पाकिस्तान भेजा है। वह दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के कर्मचारी दानिश के संपर्क में था। पुलिस उससे पूरे नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है। दानिश ही जासूसी नेटवर्क का मास्टरमाइंड नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग का अधिकारी दानिश ही इस पूरे जासूसी नेटवर्क का मास्टरमाइंड है। मई में हरियाणा के हिसार से पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में पकड़ी गई।

मालेगांव ब्लास्ट केस में अदालत का फैसला, 19 साल बाद 4 के खिलाफ आरोप तय

मुंबई, एजेंसी। एनआईए यानी राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण की मुंबई में एक विशेष अदालत ने मंगलवार को वर्ष 2006 में हुए मालेगांव विस्फोट मामले में चार आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए। उत्तरी महाराष्ट्र में नासिक जिले के मालेगांव में आठ सितंबर 2006 को एक कब्रिस्तान के बाहर हुए विस्फोटों में कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई थी और 125 लोग घायल हुए थे।

एनआईए मामलों की विशेष अदालत के न्यायाधीश चकोर बाविस्कर ने लोकेश शर्मा, धन सिंह, मनोहर सिंह और राजेंद्र चौधरी के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत आरोप तय किए।

विशेष लोक अभियोजक प्रकाश शेट्टी ने पहले आरोपियों के खिलाफ आरोपों का मसौदा प्रस्तुत किया था। एजेंसी ने दावा किया कि आरोपियों ने मध्य प्रदेश में यह साजिश रची थी, जहां उन्हें हथियार चलाने और बम बनाने का प्रशिक्षण भी मिला था। आरोपपत्र में आरोप लगाया गया कि इन लोगों की साइकिल खरीदने से लेकर उन्हें विस्फोटक को फिट करने और विस्फोट स्थलों तक पहुंचाने तक अलग-अलग भूमिकाएं थीं।

रिपोर्ट के अनुसार, साल 2007 में मक्का मस्जिद बम धमाके में एक केस दर्ज हुआ। उस केस के एक आरोपी स्वामी असीमानंद ने कथित तौर पर यह कहा था कि आरएसएस के एक पदाधिकारी सुनील जोशी ने उसे कहा था कि मालेगांव में धमाके उनके लड़कों का काम है। उसने कथित तौर पर कहा था कि वलसाड में भरत रातेश्वर के घर पर बैठक हुई थी, जहां धमाके को लेकर चर्चा हुई थी।

साल 2011 में एनआईए ने केस संभाला और चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। चार्जशीट में जोशी, रामचंद्र कलसांगरा, रमेश और संदीप डांगे का नाम आया। 29 दिसंबर 2007 को जोशी की कथित तौर पर हत्या हो गई थी।

बेंगलुरु में नहीं लगेगा कंजेशन टैक्स: उपमुख्यमंत्री

बेंगलुरु , एजेंसी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने उन खबरों का स्पष्ट रूप से खंडन किया है जिनमें कहा गया था कि राज्य सरकार बेंगलुरु में कंजेशन टैक्स लगाने पर विचार कर रही है। यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है जब ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि शहर की बिगड़ती यातायात स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयासों के तहत इस तरह के टैक्स पर विचार किया जा रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए, बेंगलुरु विकास विभाग का भी प्रभार संभाल रहे शिवकुमार ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भीड़भाड़ कर लगाने का कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है और इसे गलत जानकारी करार दिया। यातायात प्रवाह को बेहतर बनाने के लिए सुझाव दिए थे, लेकिन उनके स्तर पर ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार तक नहीं पहुँचा है। उन्होंने कहा कि सभी बातें झूठी हैं। ऐसा कोई कर या

कुछ भी नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि जनता से प्राप्त सुझावों की जांच की जाएगी, लेकिन उन्हें स्वतः स्वीकार नहीं किया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों ने पहले संकेत दिया था कि बेंगलुरु की भीड़भाड़ कम करने की रणनीति पर हाल ही में हुई एक बैठक में भीड़भाड़ कर पर चर्चा हुई थी। शहरी गतिशीलता विशेषज्ञों ने इस तरह के इस्तेमाल को हतोत्साहित करने के लिए, खासकर व्यस्त समय के दौरान, एकल-व्यक्ति कारों पर कर लगाने का सुझाव दिया था। प्रस्तावों में व्यस्त आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर इस पहल का पायलट परीक्षण भी शामिल था। ऐसी किसी भी योजना को दृढ़ता से खारिज कर दिया और सुझाव दिया कि यदि ऐसा कोई कदम लागू किया जाना है, तो इस पर केंद्र सरकार को विचार करना चाहिए, न कि वर्तमान राज्य प्रशासन को। यह स्पष्टीकरण विपक्षी भाजपा की कड़ी आलोचना के बाद आया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सरकार की तुलना तुगलक शासन से करते हुए आरोप लगाया कि वह बुनियादी ढाँचे की समस्याओं का समाधान किए बिना लोगों पर कर लगाने की कोशिश कर रही है।

बंदूक की नोक पर देशभक्ति नहीं सिखाई जा सकती: महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को श्रीनगर के टीआरसी ग्राउंड में हुई घटना पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने युवाओं को राष्ट्रगान के दौरान खड़े न होने के आरोप में हिरासत में लिए जाने की निंदा की और कहा कि बंदूक की नोक पर देशभक्ति नहीं सिखाई जा सकती।

बता दें कि मंगलवार शाम को श्रीनगर में पुलिस शहीद फुटबॉल टूर्नामेंट के दौरान करीब 15 दर्शकों को हिरासत में ले लिया गया, क्योंकि वे कथित तौर पर राष्ट्रगान के दौरान खड़े नहीं हुए थे। टूर्नामेंट के फाइनल में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी गए हुए थे।

महबूबा मुफ्ती ने कहा, आजकल

लोगों को बंदूक की नोक पर राष्ट्रगान के लिए खड़ा किया जाता है। लेकिन जब मैं स्कूल में थी, तब हम बच्चे खुद ही राष्ट्रगान के सम्मान में खड़े हो जाते थे। किसी ने हमें बंदूक के दम पर ऐसा करने के लिए मजबूर नहीं किया था। आज बंदूक की नोक पर खड़ा किया जा रहा है... ये इनकी नाकामी है। उन्होंने इस घटना को लोकतंत्र और स्वतंत्रता की भावना के खिलाफ बताते हुए प्रशासन से तत्काल हिरासत रद्द करने की मांग की।

पूरा मामला क्या है?: सोमवार को श्रीनगर के टीआरसी (टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर) ग्राउंड में मुश्ताक मेमोरियल कप के फाइनल मैच का आयोजन किया गया था। यह टूर्नामेंट पुलिस शहीदों की स्मृति में खेला जाता है, जिसमें स्थानीय युवा और खेल प्रेमी बड़ी संख्या में शामिल हुए थे। मैच के दौरान राष्ट्रगान बजाया गया, जब लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, कुछ दर्शक राष्ट्रगान के दौरान खड़े नहीं हुए, जिसे आयोजकों ने अनादर माना। परिवारों का दावा है कि हिरासत में लिए गए युवक अनजाने में ऐसा हुआ, क्योंकि बैंड की ध्वनि कम और अस्पष्ट थी, जिससे उन्हें पता ही नहीं चला कि राष्ट्रगान शुरू हो गया है। हिरासत के बाद इन युवकों को स्थानीय पुलिस थाने ले जाया गया, जहां से उनके परिवारों को सूचना दी गई।

युवती को ब्लैकमेल करने के लिए फोटो किए वायरल

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। टीला मोड़ थाना क्षेत्र में एक युवती को ब्लैकमेल करने और उसके फोटो वायरल करने का मामला सामने आया है। युवती ने थाने में शिकायत की, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। इसके बाद युवती ने एसीपी टीला मोड़ से शिकायत की है। टीला मोड़ थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने वाली युवती के अनुसार वह दो साल से एक युवक के साथ संबंधों में थी। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया और उनका संबंध टूट गया। अब वह युवक से बात नहीं करती है। युवक के पास उनके कुछ फोटो और वीडियो हैं, जिन्हें दिखाकर युवक उन्हें ब्लैकमेल कर रहा है। आरोप है कि युवक ने उनके फोटो वायरल कर दिए हैं। घटना की जानकारी होने पर पीड़िता ने टीला मोड़ थाने में शिकायत की थी। उसका आरोप है कि पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की,जिसके बाद युवती ने एसीपी टीला मोड़ से शिकायत की है। एसीपी से निर्देश पर थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। एसीपी टीला मोड़ अतुल कुमार सिंह का कहना कि जांच के बाद मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी।

मुकदमा वापस नहीं लेने पर पति ने की मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। साहिबाबाद थाना क्षेत्र में पति से अलग रही पत्नी ने पति पर मारपीट और हत्या के प्रयास का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। साहिबाबाद क्षेत्र की संजय कॉलोनी अर्थला में रहने वाली कशिश के अनुसार उनका पति अजय भाटी से अदालत में मुकदमा चल रहा है। आरोप है कि 14 सितंबर को उनका पति उनके घर आया और मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाने लगा। इनकार करने पर पति ने उनके साथ मारपीट की और जान से मारने का प्रयास किया। इसके बाद वह मुकदमा वापस नहीं लेने पर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। पीड़िता ने इलाज करवाने के बाद थाने में शिकायत की है। एसीपी के अनुसार पीड़िता की रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच की जा रही है।

महिला ने छत में लगे कुंडे में लगाया फंदा, मौत

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र में सालेहनगर गांव निवासी महिला ने कमरे की छत में लगे कुंडे में रस्सी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच में जुटी है। मुजफ्फरनगर के शेखपुरा थाना खतौली निवासी 26 वर्षीय वर्षा का विवाह आठ वर्ष पूर्व सोनू निवासी गांव सालेहनगर के साथ हुआ था। दंपति में बुधवार दोपहर किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। जिसके बाद पत्नी ने कमरे की छत में लगे कुंडे में रस्सी की सहायता से फांसी लगा ली। महिला को फंदे से लटकता देख परिजनों की चीख निकल गई। शोर सुनकर आस पास के लोग मौके पर पहुंचे और मामले की सूचना पुलिस को दी। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि परिजनों ने पुलिस के पहुंचने से पहले ही शव को फंदे से उतार लिया था। महिला के परिजनों को सूचना देकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

चेयरमैन ने व्यापारियों को दी विजयदशमी की शुभकामनाएं

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷। स्थानीय नगर पंचायत अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी ने मुख्य बाजार में प्रत्येक दुकान पर जाकर व्यापारियों से भेटकर उन्हे दशहरा की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने व्यापारियों से उनकी समस्याओं के बारे में भी जाना। साथ ही लोकेंद्र चौधरी ने व्यापारियों से कहा कि यदि उनके लिए कोई भी सेवा है तो वह 24 घंटे आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उन्होंने नगर के विकास कार्य में व्यापारियों से सुझाव एव सहयोग भी मागा। व्यापारियों ने भी अध्यक्ष को हर सम्भव सहयोग के लिए आस्वस्थ किया।

दंपती से मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। कोतवाली देहात क्षेत्र में एक दंपति के साथ गाली-गलौज और मारपीट के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शिकायत दर्ज होने के बाद की गई है। यह मामला बिजनौर के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र से संबंधित है। 26 सितंबर 2025 को ग्राम मुजफ्फराबाद निवासी कृष्णदत्त पुत्र घसीटा सिंह ने कोतवाली देहात थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि जोगेंद्र और योगेंद्र पुत्र बिशन सिंह, निवासी ग्राम मुजफ्फराबाद उर्फ उग्रावाला, ने उनके और उनकी पत्नी के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। इस शिकायत के आधार पर, कोतवाली देहात थाने में मुकदमा अपराध संख्या 205/2025, धारा 115(2), 333/110, 352/351 (3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। उपनिरीक्षक अनिल कुमार राणा, हेड कांस्टेबल नरेश कुमार और कांस्टेबल मुकमिम्मल मलिक की टीम ने आरोपी जोगेंद्र पुत्र बिशन सिंह को ग्राम मुजफ्फराबाद उर्फ उग्रावाला से गिरफ्तार किया है।

फहीम उस्मानी नईम मंसूरी ने सरपंच चाय का फीता काटकर उद्घाटन किया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। नगीना के ग्राम मँझेड़ा शकरू मे सरपंच चाय के नाम से फेमस फ्रेंचाइजी की चाय की शॉप नूर मलिक ने खोली, जिसका उद्घाटन युवा समाजसेवी नईम मंसूरी, युवा ब्लॉक अध्यक्ष भाकियू लोकशक्ति फहीम उस्मानी, आज़ाद समाज पार्टी के प्रत्याशी सलमान मलिक ने फीता काटकर किया. इस मौके पर सहबाज मलिक, राशिद सिद्दीकी, नदीम मंसूरी व अन्य सम्मानित लोग मौजूद रहे। उपस्थित सभी लोगो ने नूर मलिक को शुभकामनायें दी।

किसान को डिजिटल अरेस्ट कर 95 हजार ठगे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के भोजपुर थानाक्षेत्र के गांव अमीरपुर नगोला निवासी किसान को डिजिटल अरेस्ट कर 95 हजार रुपये ठगने का मामला सामने आया है। ठगों ने खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर पीड़ति के पुत्र को गिरफ्तार करने की बात कही थी।

गंगाजल प्लांट बंद होने से पेयजल संकट बढ़ेगा

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गंगनहर का पानी रोकने के कारण आज से शहर की 10 लाख की आबादी को पेयजल की किल्लत से जूझना पड़ेगा। हर साल की तरह गंगनहर की सफाई के लिए दशहरा की रात से गंगनहर का पानी रोका गया है। ऐसे में शुक्रवार से गंगाजल प्लांट बंद होने से समस्या बढ़ जाएगी।

सिद्धार्थ विहार स्थित 120 एमएलडी और 240 एमएलडी के गंगाजल प्लांटों नहर का पानी लेकर शोधित करने के बाद आपूर्ति करते हैं। दशहरा की रात से नहर की सफाई के लिए हरिद्वार से पानी रोक दिया गया है। ऐसे में आज दोनों प्लांट रुक जाएंगे और गंगाजल की आपूर्ति बाधित हो जाएगी। गाजियाबाद में इंदिरापुरम, वसुंधरा, वैशाली, कौशांबी और डेल्टा कॉलोनी में गंगाजल की आपूर्ति होती है। साथ ही आवास एवं विकास परिषद की सिद्धार्थ विहार योजना व खोड़ा में भी टैंकरों के माध्यम से गंगाजल भेजा जाता है। इन इलाकों में गंगाजल प्लांट बंद होने के बाद आपूर्ति बंद हो जाएगी। सभी इलाकों में नगर निगम और नगर पालिका नलकूपों के जरिए पानी मुहैय्या कराने का दावा कर रहे हैं, लेकिन हर साल की तरह इस बार भी गाजियाबाद में रहने वाली 10 लाख की आबादी इससे प्रभावित होने वाली है।

गंगनहर की सफाई का काम दीवाली तक चलेगा और इस अवधि में लोगों को पेयजल की समस्या से जूझना पड़ेगा। इस समय पानी का प्लांट चलाने वाले भी दर बढ़ा देते हैं, जिससे लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ता है और परेशानी भी होती है। 18 घंटे तक चल सकता है प्लांट गंगनहर का पानी रोकने के बाद 18 घंटे तक प्लांट चल सकता है। इसके बाद पानी का शतर नीचे गिर जाता है।

जल निगम के सहायक अभियंता मुकेश का कहना है कि दशहरा की मध्यरात्रि से पानी रोका जाना प्रशतावित है। नहर में पानी रोकने के 18 घंटे बाद तक प्लांट तक पानी पहुंचता है। ऐसे में 18 घंटे तक प्लांट चलेगा। इसमें से कुछ समय पूरी क्षमता से प्लांट चलते हैं और कुछ समय आधा पानी ही मिल पाता है।

ऐसे में लोगों को शुक्रवार से ही पानी की किल्लत होने वाली है। इंदिरापुरम में सबसे ज्यादा समस्या गंगाजल बंद रहने के दौरान सभी इलाकों में दीवाली तक सिर्फ सुबह के समय भूजल की आपूर्ति की जाएगी। इंदिरापुरम क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सबसे ज्यादा समस्या होने वाली है, जहां नए नलकूप लगाने का काम पूरा नहीं हो पाया है। यहां सिर्फ 27 नलकूप हैं, जो जीडीए ने लगवाए थे।

इनमें से कुछ खराब हो गए और कुछ का जलशतर गिरने के कारण पानी कम आ रहा है। बीते साल जीडीए से इंदिरापुरम नगर निगम को हैंडओवर हुआ था, लेकिन अभी तक नए नलकूप लगाने का काम पूरा नहीं हो सका है। यहां करीब सात से आठ नलकूपों का काम चल रहा है। ऐसे में इंदिरापुरम क्षेत्र के लोगों को सबसे ज्यादा पेयजल संकट से जूझना होगा।

स्क्रैप कारोबारी के हत्यारोपी का नहीं मिला सुराग

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

लोनी के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र के इलायचीपुर गांव में स्क्रैप कारोबारी की हत्या के मामले में पुलिस के हाथ 48 घंटे बाद भी खाली है। पुलिस की तीन टीम सीसीटीवी कैमरे, डंप डाटा और मैनुअल इनपुट की मदद से आरोपी की तलाश में जुटी है।

मामले में पुलिस कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कारोबारी के सिर पर चार जगह चोट लगने से मौत होना आया है। ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र की गुलशन सिटी कॉलोनी में 55 वर्षीय अब्दुल रहमान का कबाड़ का गोदाम था। मंगलवार रात करीब आठ बजे वह घर से खाना खाकर गोदाम में सोने के लिए आए थे।

देर रात अज्ञात बदमाशों ने उनके सिर पर भारी वश्तु से प्रहार कर हत्या कर दी थी। सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि कारोबारी की हत्या के मामले में पुलिस की तीन टीम घटनास्थल के आसपास लगे करीब 70 से अधिक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल चुकी हैं। जिसके चलते पुलिस कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

पुलिस की टीम को मोबाइल के डंप डाटा, मैनुअल इनपुट से कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं। एसीपी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में रात करीब दो बजे के आस पास सिर के बाई ओर भारी वश्तु के प्रहार के चलते चार स्थानों पर चोट लगने से मौत होना आया है।

साइबर थाने में पांच लाख से कम की ठगी का पहला केस दर्ज

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

साइबर क्राइम थाने में पांच लाख से कम की ठगी का पहला मुकदमा दर्ज हुआ है। साइबर अपराधियों द्वारा घर बैठे कमाई का झांसा देकर साढ़े 66 हजार रुपये ठगने के संबंध में कविनगर थानाक्षेत्र में रहने वाले युवक ने शिकायत दी थी।

पुलिस का कहना है कि पीड़ित की रकम वापस दिलाने का प्रयास जारी है। शास्त्रीनगर की बागवाली कॉलोनी में रहने वाले राहुल दिवाकर ने बताया कि बीते दो सितंबर को उनके पास टेलीग्राम पर एक मैसेज आया।

ठगों ने उन्हें अलग-अलग टेलीग्राम आईडी से जोड़कर टास्क पूरा करने पर घर बैठे रकम कमाने का लालच दिया। शुरुआत में उन्होंने सात सौ रुपये ट्रांसफर किए, जो वेबसाइट पर बैलेंस के रूप में दिखने लगे। इसके बाद ठगों ने उन्हें बजाज फाइनेंस ग्रुप प्रोजेक्ट नाम ते ग्रुप में जोड़ा और लगातार विभिन्न खातों व यूपीआई आईडी पर रकम भेजने को कहा।

राहुल ने आरोप लगाया कि चार और 5 सितंबर को उन्होंने कुल 66 हजार 700 रुपये अलग-अलग बैंक खातों और यूपीआई आईडी पर ट्रांसफर कर दिए। इनमें इंडियन ओवरसीज बैंक, डीबीएस बैंक, एसबीआई और फ्रीचार्ज से जुड़े खाते शामिल हैं।

रकम भेजने के बाद जब उन्होंने लाभ की मांग की तो साइबर ठगों ने संपर्क खत्म करते हुए उन्हें ब्लॉक कर दिया। घटना के संबंध में पीड़ित ने कविनगर थाने में शिकायत दी तो पुलिस ने जांच कर कार्रवाई करने की बात कहकर टरका दिया। इसके बाद पीड़ित ने साइबर थाने में शिकायत देकर रकम वापस दिलाने की गुहार लगाई। सीओ क्राइम भास्कर वर्मा का कहना है कि शिकायत के आधार पर एक अक्तूबर को केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर आगामी कार्रवाई की जाएगी। यह पांच लाख से कम की ठगी का पहला मुकदमा है, जो साइबर क्राइम थाने में दर्ज हुआ है।

धूमधाम से मनी नगर पंचायत में गांधी-शास्त्री जयंती

चेयरमैन ने महिला सफाई कर्मियों को किया सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर पंचायत झालू में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारतरत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती कार्यक्रम।

धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ, जिसे नगर पंचायत अध्यक्ष श्री लोकेंद्र चौधरी ने संपन्न कराया।

इसके उपरांत गांधी जी, शास्त्री जी एवं संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्रो पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया।

इस अवसर पर नगर पंचायत के सदस्यगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिला शक्ति अभियान के तहत नगर की सफाई व्यवस्था में विशेष योगदान देने वाली महिला सफाई कर्मियों को सम्मानित किया गया। समारोह के माध्यम से समाज में स्वच्छता, अनुशासन और सेवा भाव का संदेश दिया गया।

इस कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए चेयरमैन लोकेनदर चोधरी ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं शास्त्री जी के जीवन पर विश्तार से चर्चा की। अब्बास अहमद, सुमित, सुबोध, दीपक, विपिन, अनुज अग्रवाल, अनिल कुमार, घनश्याम सिंह, नसीम अहमद, नवाज अहमद, सुशांत, रविंदर, अजय चौधरी, बबलू, नावेद, शादाब, शीशपाल, विजय, राजेश, राजकुमार, किरण, सुनीता, सरोज, कविता आदि मोजूद रहे।

एचएमआई इंटर कॉलेज में गांधी जयंती के मौके पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

एचएमआई इंटर कॉलेज में गांधी जयंती को स्वच्छता दिवस के रूप में मनाया गया। महात्मा

गांधी के चित्र पर माल्यार्पण पर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर प्रधानाचार्य सैय्यद बिलाल अहमद जैदी ने ध्वजारोहण किया तत्पश्चात विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

जिसमें स्वच्छता ही सेवा है, मिशन शक्ति, महिला सशक्तिकरण, आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवायोजना अधिकारी नौशाद अहमद के नेतृत्व मे स्वयं सेवकों ने स्वच्छता अभियान चलाया। जिसमें विज़न 2047 विकसित भारत की कल्पना की गई। तथा एक पेड़ मां के नाम लगाया गया।

सभी छात्रों द्वारा स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। जो विद्यालय से शुरू होकर एजेंसी चौराहा मार्केट होते हुए वापस विद्यायल पहुंची।

इस अवसर पर अलीम अहमद, अफजाल कुरैशी, रंजीत सिंह, शोएब हनीफ, मुश्तबशीरा, राना कमाल आदि उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

जिला कांग्रेस कार्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने दोनों महान नेताओं को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान को याद किया।

सभा में वक्ताओं ने महात्मा गांधी के अहिंसा और सत्य के सिद्धांतों तथा लाल बहादुर शास्त्री के 'जय जवान, जय किसान' के नारे को राष्ट्रीय एकता और समृद्धि का प्रतीक बताया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेनरिटा राजीव सिंह ने कहा-गांधी जी और शास्त्री जी के आदर्श आज भी हमें प्रेरित करते हैं।

हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर देश की प्रगति में योगदान देना होगा। सभा में उपस्थित सभी लोगों ने गांधी जी और शास्त्री जी के विचारों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अमीर मेरठी ने अपनी सुन्दर कविता प्रश्तुत की जिसमें राष्ट्रीय अखंडता और राष्ट्रवाद की उत्कृष्टता और सुगंध थी।आज इस अवसर पर - ओमवती देवी (पूर्व सांसद), आर.के. सिंह (रिटायर्ड-आईएएस), हुमायूं बेग (शहर अध्यक्ष), एड विक्रम सिंह, मोहम्मद अकबर, जावेद अंसारी,अनिल त्यागी, मोहम्मद सलीम, गुलशन कुमार, हुकुम सिंह, अब्दुल समद आज़ाद, शादीलाल मारवाड़ी, काजी आतिफ, अहसान जमील, जसराम सिंह, हरि सिंह सागर, शिव प्रकाश वाल्मीकि, इंतेक़ाब जैदी, शमीम कुरैशी, सनेक चंद, मांगे राम, विश्व मोहन, रईस अहमद, ममता, रति रमन, कुमारी मोनिका, अलीमुद्दीन, फैसल, मुबीन अहमद, गुड्डु, सुकेश, रॉकी रानी, गांधी, विकुल, मिथुन कुमार, रिंकू सिंह, नदीम अहमद, खुर्शीद, जमशेद, आमिर कवि मेरठ, रियासत, मशूद राणा, लईक अहमद, मोहम्मद इशाक,सुकंदी, दीपक कुमार आदि मौजूद थे।

महात्मा गांधी और शास्त्री जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई

एनसीआर टुडे. नगीना। 2 अक्टूबर महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती के मौके पर उप जिलाधिकारी नितिन कुमार तहसीलदार अमरपाल सिंह क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार चतुर्वेदी नायब तहसीलदार अजब सिंह राणा, श्याम सुंदर बेस ने महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। इनके अतिरिक्त यहां सरकारी अर्ध सरकारी कार्यालयों में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

उधर भाजपा के क्षेत्रीय मंत्री अनूप बाल्मीकि और रोहित रवि ने पार्टी कार्यकर्ताओं के काफिले के साथ पहले गांधी पार्क पहुंचे जहां उन्होंने गांधी जी को पुष्पांजलि अर्पित की बाद में संविधान रचेता डॉक्टर प्रतिमा पर पहुंचे और अंबेडकर जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की उनके साथ भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज बिश्रोई प्रमोद कुमार अरविंद कुमार अजीत कुमार नगर महामंत्री विशाल अग्रवाल नगर महामंत्री अरुण शर्मा मनोज टंडन धर्मेंद्र राठी गोपाल शर्मा, मंडल मंत्री लवी मित्तल कुंवर कृष्ण बलदेव, अमित गुप्ता, आशु बिश्नोई, हिमांशु टंडन, मनदीप सेठी, अमीचंद, पूर्व विधायक सतीश गौतम शिव शंकर सक्सेनाआदि मौजूद रहे।

दशहरा पाएता पूजन का आयोजन किया

श्रद्धालुओ ने विजयादशमी पर शास्त्र व शस्त्र दोनो का पूजन किय : यज्ञ करते हुए बेटा गया प्रसाद

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

नगर क्षेत्र में विजयदशमी के पावन अवसर पर दशहरा पाएता पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भगवान राम की विजय के प्रतीक के रूप में पाएता पूजन किया गया, जिसमें शस्त्रों व शास्त्रों की पूजा की गई।

पंडित कृष्ण कुमार कौशिक ने बताया पाएता पूजन एक पारंपरिक तरीके से करने वाला अनुष्ठान है। जिसमें शस्त्रों को सजाकर उनकी पूजा की गई व वेदपाठी ब्राह्मणों ने वेद,शास्त्रों का विधिवत पूजन किया।

पाएता पूजन के माध्यम से समाज में शांति और सुरक्षा की भावना को बढ़ावा दिया गया। पाएता पूजन विजयदशमी के अवसर पर एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, यह आयोजन समाज में शांति, सुरक्षा और एकता का संदेश देता है। क्षेत्र के प्रत्येक गांव में श्रद्धालुओं ने दशहरा पायता पूजन किया वहीं ग्राम उमरपुर आसा बाल किशनपुर नशिरदीवाला मिर्जापुर पालकी आदि क्षेत्र के सभी गांव में कन्या भोज पूजन भी किया गया। कन्याओं को भोज कराकर पूजन किया और अपने नवरात्र व्रत पूर्ण किए।

स्योहारा में धूमधाम से हुआ रावण दहन

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

विजयादशमी पर्व पर नगर में रावण दहन कार्यक्रम बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रामलीला मैदान में हजारों की संख्या में लोगों ने एकत्र होकर भगवान श्रीराम के विजय उत्सव का साक्षी बने।

कार्यक्रम के दौरान रामलीला मंचन के बाद भगवान श्रीराम ने तीर चलाकर रावण के पुतले का दहन किया। रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के विशाल पुतले जलते ही लोगों ने "जय श्रीराम" के गगनभेदी नारे लगाए।

पुलिस-प्रशासन की मौजूदगी में शांतिपूर्ण माहौल के बीच पूरे नगरवासियों ने उत्सव का आनंद लिया। बच्चे, महिलाएँ और बुजुर्ग इस ऐतिहासिक पर्व को देखने पहुंचे और आतिशबाजी का आनंद लिया।

गंगा एक्सप्रेसवे बिजनौर से निकालने की मांग

शिवसेना जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह को विभिन्न संगठनों ने दिया समर्थन

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

गंगा एक्सप्रेसवे को जिले से निकालने की मुहिम तेजी पकड़ रही है। शिवसेना (शिंदे गुट) के जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। उनका कहना है कि गंगा एक्सप्रेसवे बिजनौर की प्राथमिकता है और इसे जिले से होकर गुजरना चाहिए।

इस आंदोलन को पीपल्स फोर्स एनिमल (मेनका गांधी) के जिला संयोजक वीरेंद्र कुमार राजपूत और उनकी टीम का पूरा समर्थन मिला है। वीरेंद्र राजपूत ने कहा कि यदि गंगा एक्सप्रेसवे बिजनौर से नहीं निकाला गया, तो यह जिला पश्चिमी उत्तर प्रदेश का सबसे पिछड़ा क्षेत्र बन जाएगा। उन्होंने इसके लिए जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदार ठहराते हुए आगामी चुनावों में नतीजे भुगतने की चेतावनी दी।

इससे पहले चौधरी वीर सिंह ने श्री कृष्ण सेना के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल पांडे से भी समर्थन मांगा था। अनिल पांडे, जो कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के राष्ट्रीय संयोजक और बजरंग दल के संस्थापक सदस्य भी हैं, ने इस आंदोलन को पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया।

चौधरी वीर सिंह ने बताया कि गंगा नदी बिजनौर जिले में सर्वाधिक 89 किलोमीटर क्षेत्र में बहती है। यह महात्मा विदुर की धरती है, जहां भगवान श्रीकृष्ण ने आराधना की थी। उनका तर्क है कि यदि गंगा एक्सप्रेसवे यहां से नहीं निकाला जाता, तो यह विदुर जी और मां गंगा दोनों का अपमान होगा।

चोरी घर की दीवार फांदकर नकदी, जेवरात और मोबाइल ले गए

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मोदीनगर के गांव रोरी में एक घर में चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। बदमाश दीवार फांदकर घर में घुसे और लगभग तीस हजार रुपये नकद, सोने के जेवरात तथा मोबाइल फोन चोरी कर ले गए। घटना के समय परिवार के सदस्य अपने कमरों में सो रहे थे।

पीड़ित आकाश शर्मा ने बताया कि वे और उनका परिवार रात भर अपने कमरे में सो रहे थे। सुबह उठने पर उन्होंने देखा कि घर का सामान बिखरा हुआ था और कमरे का ताला टूटा हुआ था। चोरों ने घर के सेफ को भी तोड़कर नगद और जेवरात ले लिए।

आकाश शर्मा ने चोरी की रिपोर्ट मोदीनगर थाने में दर्ज करवाई है। सीओ मोदीनगर अमित सक्सेना ने बताया कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है। उन्होंने कहा कि घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी गई है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

बाइक और कार की आमने-सामने टक्कर, बाइक सवार घायल

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर के नहटौर रोड पर एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल और कार की आमने-सामने से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही डायल 112 और झालू पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाइक सवार दोनों युवक अनस और शाह आलम (पुत्र मोहम्मद जाहिद, निवासी इस्लामाबाद) थे।

कार की ड्राइवर साइड पूरी तरह क्षतिग्रश्त हो गई और गाड़ी के दोनों एयरबैग खुल गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार चालक घटना के बाद फरार हो गया।

मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए झालू पुलिस के सिपाही अमित चौधरी और राजीव कुमार मौजूद थे। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर घटना की जांच शुरू कर दी है।

संपादकीय

एसआईआर के कई सवाल अब भी अनसुलझे

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो गई है। चुनाव आयोग ने अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है, जिसमें करीब सात करोड़ 42 लाख मतदाताओं के नाम हैं। एसआईआर शुरू होने से पहले बिहार में कुल मतदाताओं की संख्या सात करोड़ 89 लाख थी, जो अब घट कर सात करोड़ 42 लाख हो गई है। इस आधार पर कह सकते हैं कि सिर्फ 47 लाख नाम घटे हैं। लेकिन असल में करीब 69 लाख नाम कटे हैं। यह सात करोड़ 42 लाख की जो संख्या दिख रही है उसमें साढ़े 21 लाख नाम ऐसे हैं, जो नए जोड़े गए हैं। सो, चुनाव आयोग ने अपनी ओर से एसआईआर का काम पूरा कर दिया है। अगले कुछ दिन में एक पूरक सूची आ सकती है, जिसमें कुछ और नए नाम होंगे। लेकिन सवाल है कि क्या एसआईआर की प्रक्रिया पूरी होने से सारे सवालों के जवाब मिल गए? इसको लेकर जितने संदेह थे, सब दूर हो गए? क्या अब सुप्रीम कोर्ट में इससे जुड़ा मामला बंद हो जाएगा या वहां नए सवाल खड़े होंगे?

ध्यान रहे एसआईआर का मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। सर्वोच्च अदालत ने मतदाता के सत्यापन के एक दस्तावेज के तौर पर आधार को शामिल करने और जिन लोगों के नाम कटे थे उनके ऑनलाइन आवेदन लेने का जिस दिन आदेश दिया था उस दिन कहा था कि अगर गड़बड़ी मिली तो वह पूरी प्रक्रिया को रद्द कर देगी। पता नहीं अदालत की आगे की सुनवाई में क्या होगा लेकिन ऐसा लग रहा है कि एसआईआर की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद भी अनेक सवाल अनसुलझे रह गए हैं। इनका जवाब इसलिए जरूरी है क्योंकि चुनाव आयोग अब पूरे देश में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है और पश्चिम बंगाल से लेकर केरल तक इसका विरोध तेज हो गया है। केरल में तो विधानसभा में सर्वसम्मति से एसआईआर के खिलाफ प्रस्ताव पास किया गया है। सो, कह सकते हैं कि एसआईआर की एक परीक्षा अभी और होनी है। बहरहाल, अब बिहार के एसआईआर के आंकड़े को देखने और उसके निहितार्थों को समझने की कोशिश करते हैं। चुनाव आयोग ने जुलाई के अंत में जो मसौदा सूची जारी की थी उसमें 7.24 करोड़ नाम थे और 65 लाख 64 हजार नाम काट दिए गए थे। उसको लेकर बड़ा विवाद हुआ लेकिन आयोग अपनी बात पर अड़ा रहा। आयोग ने कहा कि इसमें 22 लाख से कुछ ज्यादा लोग ऐसे हैं, जिनका निधन हो गया है, 36 लाख से कुछ ज्यादा लोग स्थायी रूप से शिफ्ट कर गए हैं और साढ़े छह लाख के करीब लोगों के नाम एक से ज्यादा जगहों पर थे। यह हिसाब था 65 लाख 64 हजार लोगों के नाम कटने का। अब नाम कटने का आंकड़ा 69 लाख का है। सवाल है कि साढ़े तीन लाख के करीब जो नए नाम कटे हैं, वह किन लोगों के हैं? चुनाव आयोग ने इनको नॉट रिकमेंडेड की श्रेणी में रखा था और नोटिस जारी किया था। चुनाव आयोग ने खुद ही बताया है कि बिना पक्ष सुने किसी का नाम नहीं काटा जाएगा। सो, जाहिर है कि इन साढ़े तीन लाख लोगों का पक्ष सुन कर इनका नाम काटा गया होगा। तो अब सवाल है कि इनके दस्तावेजों में क्या गड़बड़ी थी? क्या इनके पास आधार भी नहीं था? या आधार था लेकिन आयोग को उसकी प्रामाणिकता पर संदेह था?

ध्यान रहे अनेक लोगों की कहानियां आ रही हैं कि उनके पास सिर्फ आधार था और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के दम पर वे आधार के जरिए मतदाता बन गए। अगर साढ़े तीन लाख लोगों के पास आधार भी नहीं था या आधार था तो संदिग्ध था तो चुनाव आयोग ने उनका क्या किया? क्या आयोग ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को कोई जानकारी भेजी है? क्या उसने इन लोगों को संदिग्ध नागरिक की श्रेणी में रखा है? अगर ऐसा भी है कि बहुत से लोगों ने फॉर्म भरा और नोटिस आने के बाद गायब हो गए तो उनकी भी जानकारी निश्चित रूप से केंद्रीय गृह मंत्रालय को दी जानी चाहिए, क्या आयोग ने ऐसा किया है? इन सवालों के जवाब जरूरी हैं क्योंकि अन्यथा आगे जिन राज्यों में एसआईआर होगा वहां भी मसौदा सूची में नाम होने के बावजूद लाखों लोगों के नाम अंतिम सूची से बाहर हो जाएंगे और कोई कुछ नहीं कर पाएगा। बिहार में जिन साढ़े तीन लाख लोगों के नाम मसौदा सूची में होने के बावजूद कटे हैं या तो वे विदेशी व संदिग्ध नागरिक हैं और देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं या इसी देश के नागरिक हैं लेकिन किसी तकनीकी आधार पर उनका नाम काट कर उनको वोट देने के अधिकार से वंचित किया जा रहा है? ये दोनों स्थितियां चिंताजनक हैं।

इसी से जुड़ा एक सवाल यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद चुनाव आयोग ने आधार को किस रूप में लिया? अगर किसी नागरिक की ओर से एकमात्र पहचान पत्र के तौर पर आधार पेश किया गया तो उसे आयोग ने उसके साथ कैसा व्यवहार किया? उसे सहज रूप से स्वीकार कर लिया गया या संदिग्ध बता कर किसी और दश्तावेज की मांग की गई? इस सवाल का जवाब भी इसलिए जरूरी है क्योंकि आगे जिन राज्यों में एसआईआर होगा वहां ज्यादातर लोग आधार ही पेश करेंगे। इसके अलावा एक सवाल यह है कि मसौदा सूची जारी होने के बाद चुनाव आयोग के सामने जो दावे और आपत्तियां आई थीं उनमें से कितने को और कैसे निपटाया गया? यह सवाल इसलिए है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट तक एसआईआर का मुकदमा लड़ने वाले लोग बता रहे हैं कि आयोग के सामने जो आपत्तियां आई थीं उनमें 57 फीसदी ऐसी थीं, जिसमें लोगों ने अपना नाम काटने को कहा था। सवाल है कि ऐसा कैसे हो सकता है कि जिन लोगों ने मतगणना प्रपत्र भरा और मसौदा सूची में नाम आने के बाद खुद ही नाम कटवाने पहुंच गए? इसी तरह दावा किया जा रहा है कि सात सौ लोगों ने अपने को विदेशी बता कर नाम काटने को कहा। यह कैसे हो सकता है? उनका फॉर्म कैसे स्वीकार हुआ और किन दश्तावेजों के आधार पर हुआ? सबसे मजेदार दावा यह है कि 28 लोगों ने दश्तखत करके आपत्ति दर्ज कराई कि वे मर चुके हैं। क्या ऐसा होना संभव है?

एसआईआर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव आयोग की ओर से जारी अंतिम मतदाता सूची में 21.53 लाख लोगों के नाम जोड़े जाने की बात कही गई है। चुनाव आयोग ने कहा कि उसने 7.24 करोड़ की मसौदा सूची में से 3.66 लाख नाम और काटे, जबकि 21.53 लाख नाम जोड़े तो अब कुल संख्या 7.42 करोड़ हो गई। सवाल है कि जब खुद चुनाव आयोग ने एक सितंबर को दावे व आपत्तियां लेने की तारीख समाप्त होने के बाद कहा कि उसे 16.93 लाख नए नाम जोड़ने का आवेदन मिला है तो यह संख्या बढ़ कर 21.53 लाख कैसे हो गई? यह साढ़े चार लाख से ज्यादा नाम कहां से आए, जबकि आयोग ने कहा कि एक सितंबर के बाद कोई आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा? विपक्ष की ओर से लगाए जा रहे आरोपों और उठाई जा रही आशंकाओं को दूर करने के लिए इन सवालों के जवाब देना जरूरी है।

संघ के सौ साल में हासिल है मोदी के 11 साल!

शकील अख्तर

सौ साल का संघ खुद को शक्तिशाली समझ सकता है। मगर बाहर की बात तो अलग है। खुद जिसे वह परिवार कहता है उसमें मोदी के सामने तो वह कमजोर साबित हो ही गया है। सरसंघचालक मोहन भागवत को 75 साल में रिटायर होने की बात कह कर बदलना पड़ा। केवल सांप्रदायिकता बढ़ाने के मामले में उसे और बीजेपी को सफलता मिली है। मगर सांप्रदायिकता बढ़ने से देश मजबूत हुआ है यह सिद्ध करना उसे मुश्किल साबित हो रहा है।

गांधी जयंती के साथ संघ के सौ साल! इस पर लिखते हुए सबसे पहले जो बात याद आती है वह यह है कि क्या आज भी संघ और भाजपा के लोगों की समझ वही नहीं है जो किसी समय संघ के और भाजपा के नेता केदारनाथ साहनी की थी। आरएसएस पर सबसे पहले विश्तार से लिखने वाले उसके पूर्व स्वयंसेवक देसराज गोयल ने लिखा है कि दिल्ली के मुख्य कार्यकारी पार्षद केदारनाथ साहनी ने बहुत सारे लोगों के साथ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और शेर – ए- दिल्ली कहलाने वाले चौधरी ब्रह्मप्रकाश को भी एक निमंत्रण पत्र भेजते हुए उनसे आने का आग्रह किया। निमंत्रण आरएसएस की दिल्ली शाखा के वार्षिक समारोह का था। जिसमें कहा गया था कि पधार कर संघ का और अधिक परिचय प्राप्त करें।

देसराज गोयल जिनका निधन अभी कुछ साल पूर्व ही हुआ उनकी किताब "राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ " संघ पर लिखी किताबों में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली किताब है। गोयल जी अपनी किताब की शुरुआत ही इस वाकये से करते हैं। इसका पहला अध्याय है 'अज्ञान का आंनद लोकट है।

इसमें वे कहते हैं कि साहनीजी पुराने स्वयंसेवक थे। उनका विश्वास था कि लोग संघ की आलोचना या तो विद्वेष के कारण करते हैं या नासमझी की वजह से। कोई भी व्यक्ति इस पुण्य अवसर का लाभ नहीं उठाएगा यह बात साहनी जी के कल्पना से परे थी। आगे की बात बताने से पहले हम यहां यह जरूर याद कर लें कि अभी मंगलवार 30 सितम्बर को ही दिल्ली में भाजपा और संघ को बनाने वाले साहनी जी के समकालीन विजय कुमार मल्होत्रा भी नहीं रहे। साहनी जी कुछ साल पहले नहीं रहे थे। ये दोनों नेता दिल्ली में भाजपा और संघ को जमवाने वालों में थे। दोनों ही सब के साथ मिलकर काम करने वाले।

आज की तरह सांप्रदायिक जहर से दूर। इनके साथ मदनलाल खुराना भी। अभी प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली भाजपा के कार्यालय का उद्घाटन किया। जैसे की बोलते हैं खूब लंबी चौड़ी बाते कीं। मगर कहीं देखने को नहीं मिला कि दिल्ली में भाजपा को खड़ा करने वाले इन नेताओं की भी तारीफ की। खैर यह भाजपा और संघ के सोचने की बात है कि वे खुद को बनाने वाले नेताओं की याद क्यों नहीं करते हैं और कांग्रेस के नेताओं को ही ज्यादातर याद करते रहते हैं। सरदार पटेल हों या नेताजी सुभाषचन्द्र बोस भाजपा या संघ उन्हें ज्यादा याद करते हैं अपने नेताओं को कम।

बहरहाल साहनीजी जो सोच भी नहीं सकते थे वह हुआ। कुछ लोग आजादी के आंदोलन से निकले चौधरी ब्रह्मप्रकाश जैसे भी होते हैं। जिन्होंने निमंत्रण पत्र के उत्तर में लिखा कि आपने मुझे आरएसएस के वार्षिक समारोह में आने का निमंत्रण दिया जिसमें सरसंघचालक बालासाहब देवरस भी आ रहे हैं कि संघ के बारे में मेरी जानकारी बढ़े और गलतफहमी दूर हो जाए।

क्या आपका ख्याल है कि अनुशासित प्रदर्शन, परेड, शारिरिक व्यायाम को देखकर और उसके साथ घिसे पिटे उपदेश सुनकर कोई यकीन कर लेगा कि आरएसएस एक निरिह संगठन है? मैं मानवीय चेतना और बोध को उच्चतर श्तर की चीज समझता हूं।

ऐसे समारोहों के प्रदर्शन बच्चों या उन वयस्कों के लिए जो आरएसएस को नहीं जानते आकर्षक हो सकते हैं। मेरे जैसे लोग जो आरएसएस को जानते हैं इस पाखंडपूर्ण विनम्रता और अनुशासन से धोखा नहीं खा सकते।

चौधरी बह्मप्रकाश ने आगे लिखा कि आरएसएस के लोग अनुशासित हैं, विनम्रता दिखाने की भी ट्रेनिंग उन्हें मिली है। मगर साथ

ही चरित्रहनन के लिए कानाफूसी का अभियान चलाने की भी पूरी ट्रेनिंग है। विनम्रता पूर्वक नमश्ते करने वाले हाथों को असहमत व्यक्तियों को छुरा भोंकने की भी पूरी ट्रेनिंग है।

आज जब आरएसएस सौ साल का हो रहा है तब भी संघ के लोग वही कहते हैं कि सवाल उठाने वाले संघ को जानते नहीं। वे किसी सवाल का जवाब नहीं देते हमेशा इसी आड़ में छुपते हैं कि संघ को नहीं जानते। नेहरू ने भी यह बात कही थी, सरदार पटेल ने भी और गांधी जी ने भी। पहले गांधी जी की बात। क्योंकि संघ के सौ साल गांधी जयंती पर पूरे हो रहे हैं।

गांधी जी ने क्या कहा था? संघ द्वारा प्रकाशित सामग्री में कहा जाता है कि गांधी जी ने इस संगठन की तारीफ की थी। मगर इतिहास में इसके कहीं प्रणाम नहीं मिलते। हां गांधी जी का यह कहा जरूर मिलता है कि जब उनसे किसी ने संघ के अनुशासन की तारीफ की तो उन्होंने कहा कि लेकिन भूलो मत कि हिटलर के नाजी और मुसोलिनी के फासिस्ट भी ऐसे ही थे। गांधी ने संघ को निरंकुश दृष्टि वाला और सांप्रदायिक संगठन कहा।

और बाद में गांधी जी की हत्या के बाद तो सरदार पटेल जिन्हें भी वे अपने पाले में खींचने की कोशिश करते रहते हैं तो साफ तौर पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के उस पत्र के जवाब में जिसमें उन्होंने संघ की पैरवी की थी कहा था आरएसएस ने देश में ऐसा वातावरण बनाया कि ऐसी भंयकर दुखदायी घटना (गांधी जी की हत्या) संभव हुई। आरएसएस की गतिविधियों से सरकार और राज्य के अशितत्व को ही खतरा हो गया था।

और तत्कालीन सरसंघचालक गोलवलकर के पत्र के जवाब में तो सरदार पटेल ने और स्पष्ट लिखा कि आरएसएस की सारी स्पीचेज सांप्रदायिक विष से भरी थीं। उस विष का परिणाम अंत में यही हुआ कि गांधी जी की अमूल्य जान की कुर्बानी देश को सहना पड़ी। और सरदार पटेल जिनकी सबसे ऊंची मूर्ति प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में लगवाई है यह भी लिखा कि उनकी मृत्यु पर आरएसएस वालों ने हर्ष प्रकट किया और मिठाई बांटी।

ऊपर नेहरू का भी जिक्र किया था तो नेहरू ने क्या कहा? गोलवलकर के पत्र वैसे तो नेहरू सारे अपने गृहमंत्री पटेल को फारवर्ड कर देते थे मगर जब गोलवलकर उनसे मिलने के लिए लिख रहे थे तो नेहरु ने जवाब में लिखा कि मिलने से कोई फायदा नहीं।

क्योंकि आपके घोषित उद्देश्य कुछ और हैं वाश्तविक कुछ और! ये वाश्तविक उद्देश्य भारतीय संसद के निर्णय और प्रश्तावित संविधान के प्रावधानों के बिल्कुल विपरित हैं। हमारी सूचना के अनुसार ये गतिविधियां राष्ट्रविरोधी और प्रायः भीतरघाती तथा हिंसापूर्ण होती हैं।

इतने सालों में क्या बदला है? सांप्रदायिक भाषणों के बाद अब तो धर्म के आधार पर खुले आम धमकियां दी जाने लगीं। प्रधानमंत्री से ख्यमंत्री के श्तर पर। पोस्टर बैनर लगने लगे मुसलमानों के खिलाफ! मुख्यमंत्री 7 पीढ़ियां याद रखेंगी जैसे बयान देने लगे। उसी तरह पिटोगे कहने लगे। उसी उत्तर प्रदेश में जहां प्रधानमंत्री ने श्मशान और कब्रिस्तान में फर्क समझाया था। होली दीवाली और ईद में।

क्या संघ जो भाजपा का मातृसंगठन है वहीं खड़ा है?

शायद नहीं। उससे मोहभंग बढ़ रहा है। संघ के तमाम पूर्व सदस्य समर्थक पिछले 11 साल में विरोध के स्वर बोलने लगे हैं। तमाम पत्रकार जो 11 साल पहले तक संघ और भाजपा के नजरिए से ही पत्रकारिता करते थे आज केवल प्रधानमंत्री मोदी पर ही नहीं संघ पर भी सवाल उठाने वालों में सबसे आगे हैं।

सौ साल का संघ खुद को शक्तिशाली समझ सकता है। मगर बाहर की बात तो अलग है। खुद जिसे वह परिवार कहता है उसमें मोदी के सामने तो वह कमजोर साबित हो ही गया है। सरसंघचालक मोहन भागवत को 75 साल में रिटायर होने की बात कह कर बदलना पड़ा। केवल सांप्रदायिकता बढ़ाने के मामले में उसे और बीजेपी को सफलता मिली है। मगर सांप्रदायिकता बढ़ने से देश मजबूत हुआ है यह सिद्ध करना उसे मुश्किल साबित हो रहा है।

कहने को अभी वह बहुत सारी बातें कहेंगे। बातों में उसकी मास्टरी का कोई मुकाबला नहीं कर सकता। मगर सौ साल पूरे होने पर संघ वहीं खड़ा है जहां से वह चला था। कारण वही हैं जो नेहरू, पटेल, गांधी, चौधरी ब्रह्मप्रकाश और अब बहुत सारे पूर्व संघी कहते हैं पाखंड, झूठ, नकारात्मकता, सांप्रदायिक विचार, नफरत जो अब जातियों में भी फैल गई है से नहीं निकल पाना। दूसरे के नुकसान में अपना फायदा देखना। जो होता नहीं है। इतिहास में कभी नहीं हुआ कि दूसरों की लकीर छोटी करके आप अपनी लकीर बड़ी कर लो।

संघ के सौ साल में हासिल है मोदी के 11 साल!

सर्वमित्रा सुरजन

पत्रकारिता को लेकर एक घुटन भरी स्थिति बनती जा रही है। एक तरफ सरकार की चाटुकारिता करने वाले पत्रकार हैं, और दूसरी तरफ जान हथेली पर लेकर चलने वाले पत्रकार हैं और साथ ही देश में ऐसे पत्रकार भी हैं, जिनकी आवाज़ कानून के फंदे में लेकर दबाने की कोशिशें चल रही हैं। कई ऐसे पत्रकार हुए, जिन्होंने किसी औद्योगिक समूह की सरकार से नजदीकियों पर रिपोर्टिंग की, तो उसे अपराध बता दिया गया।

उत्तराखंड में स्वतंत्र पत्रकार राजीव प्रताप की 10 दिन की गुमशुदगी के बाद संदिग्ध हालात में मौत ने देश में पत्रकारों और पत्रकारिता की स्थिति को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस साल की शुरुआत में छत्तीसगढ़ के बश्तर में ऐसे ही पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या की गई थी। पैटर्न बिल्कुल वही है, पहले पत्रकार को गायब करो और फिर उसकी हत्या कर दो। जब मुकेश चंद्राकर की हत्या का मामला सामने आया था, तब भी मीडिया की स्वतंत्रता को लेकर सवाल उठे थे और अब राजीव प्रताप की हत्या के बाद भी वही सवाल उठ रहे हैं।

यह उम्मीद तो बिल्कुल नहीं की जा सकती कि अब आखिरी बार ऐसे सवाल उठेंगे, उसके बाद कभी इसकी नौबत नहीं आएगी। बल्कि अब तो हालात ऐसे बन चुके हैं कि मीडिया में भी स्पष्ट बंटवारा हो गया है। एक तरफ नज़र आते हैं देश के सेलिब्रिटी पत्रकार। पहले जैसे फिल्मी सितारे, खेल सितारे हुआ करते थे, अब पत्रकार सितारे हो गए हैं। भाषायी लिहाज से इन्हें पत्रकार कहना भी सही नहीं होगा, क्योंकि ये लिखते नहीं, बोलते हैं।

इनकी कॉलर पर माइक लगा रहता है और चेहरा कैमरे के सामने होता है। जहां ये सरकार की तरफ से तैयार स्क्रिप्ट पर कार्यक्रम करते हैं, साक्षात्कार करते हैं, नैरेटिव तैयार करते हैं। इसके बदले इन्हें करोड़ों का घोषित वेतन, अघोषित इनाम मिलता है। अपने चैनलों के अलावा सोशल मीडिया पर भी ये सरकार के लिए एकतरफा माहौल बनाने का काम करते हैं।

सेलिब्रिटी पत्रकारों की खबरों में महंगाई, बेरोजगारी का जिक्र दूर-दूर तक नहीं रहता। शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, जनाधिकार आदि पर सरकार की जिम्मेदारी को लेकर ये सेलिब्रिटी एंकर एक लफ्ज़ नहीं बोलते। विपक्षी दलों को घेरने में अगर भाजपा की ट्रोल आर्मी कम पड़ जाए या कहीं कोई कसर रह जाए, तो फिर इन्हें काम पर लगा दिया जाता है।

भारत-पाक मैच, जीएसटी रिफार्म, ऑपरेशन सिंदूर, आरएसएस के सौ साल ऐसी तमाम हालिया घटनाओं पर सेलिब्रिटी एंकरों की बात सुनें तो इनमें और भाजपा प्रवक्ताओं में फर्क करना मुश्किल हो जाएगा। इन पत्रकारों के पास बड़ी कोठियां हैं, देश-विदेश में सातसितारा सुविधाओं के साथ इनका घूमना होता है, इनके निजी, पारिवारिक कार्यक्रमों में भाजपा के मंत्री, नेता पधारते हैं।

दूसरी तरफ हैं ऐसे पत्रकार जिनका ये मानना है कि सरकार की तरफ से आई विज्ञप्तियों और पटकथाओं से अलग एक भारत है, जिसमें जीते-जागते इंसान रहते हैं, उनकी रोजमर्रा की असली समस्याएं हैं, जिन पर बात होनी चाहिए। अगर कोई घोटाला हुआ है, या उसका शक है तो उसकी खबर बननी चाहिए, ताकि उस पर जांच-पड़ताल हो।

व्यवस्था सुधारने का यह भी एक तरीका है कि आप लोकतंत्र का चौथा श्तंभ न बनकर ऐसी जगह खड़े हों, जहां आप निष्पक्षता के साथ चीजों को देखें, परखें और फिर लिखें या उस पर कार्यक्रम बनाएं। देश का लोकतंत्र ऐसी ही पत्रकारिता से मजबूत होगा।

छत्तीसगढ़ में मुकेश चंद्राकर ने अपनी रिपोर्ट में बश्तर में 120 करोड़ रुपये की सड़क निर्माण परियोजना में कथित अनियमितताओं को उजागर किया था। इसमें एक ठेकेदार पर उन्होंने सवाल उठाए थे, बाद में उसी ठेकेदार के घर के बाहर बने सेप्टिक टैंक में उनकी लाश मिली थी। उत्तराखंड में राजीव प्रताप ने एक जिला अस्पताल की बदहाली पर रिपोर्ट बनाई थी। उनकी पत्नी के मुताबिक इस रिपोर्ट को हटाने के लिए उन्हें धमकियां मिल रही थीं, जिससे वो परेशान भी थे।

18 सितंबर की रात को वे घर से निकले तो फिर लौटे ही नहीं और सीधे 10 दिन बाद एक बैराज में उनकी लाश मिली। जिस कार में वे निकले थे, उसमें केवल उनकी चप्पलें थीं। घर वालों को आशंका है कि उनकी हत्या की गई है, क्योंकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अंदरूनी चोटें हैं, लेकिन उनके शव पर चोट के निशान नहीं थे। पुलिस ने पहले तो इसमें किसी साजिश की बात नहीं मानी, मगर अब नए सिरे से जांच के आदेश दिए गए हैं। उत्तरकाशी के पुलिस उप अधीक्षक की अध्यक्षता में एक टीम गठित की गई है, जो मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच करते हुए जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपेगी।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस घटना पर लिखा है कि उत्तराखंड के युवा पत्रकार राजीव प्रताप जी का लापता होना और फिर मृत पाया जाना सिफ़र् दुखद नहीं, भयावह है। बीजेपी राज में आज ईमानदार पत्रकारिता भय और असुरक्षा के साये में जी रही है।

जो सच लिखते हैं, जनता के लिए आवाज़ उठाते हैं, सत्ता से सवाल पूछते हैं - उन्हें धमकियों और हिंसा से चुप कराने की कोशिश की जा रही है।

राजीव जी के साथ हुआ पूरा घटनाक्रम ऐसे ही षड़यंत्र की ओर इशारा करता है। राजीव जी की मृत्यु की अविलंब निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होनी चाहिए और पीड़ित परिवार को बिना देरी न्याय मिलना चाहिए।

माना जा रहा है कि राहुल गांधी की इस मांग पर ही अब पुष्कर धामी सरकार ने नए सिरे से जांच का फैसला लिया है। लेकिन इस जांच के बाद भी पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर आश्वश्त नहीं हुआ जा सकता। पत्रकारिता को लेकर एक घुटन भरी स्थिति बनती जा रही है। एक तरफ सरकार की चाटुकारिता करने वाले पत्रकार हैं, और दूसरी तरफ जान हथेली पर लेकर चलने वाले पत्रकार हैं और साथ ही देश में ऐसे पत्रकार भी हैं, जिनकी आवाज़ कानून के फंदे में लेकर दबाने की कोशिशें चल रही हैं।

कई ऐसे पत्रकार हुए, जिन्होंने किसी औद्योगिक समूह की सरकार से नजदीकियों पर रिपोर्टिंग की, तो उसे अपराध बता दिया गया। यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पत्रकारों ने मुख्यधारा के मीडिया से हटकर रिपोर्टिंग शुरु की, तो उसमें भी बहुत से पत्रकारों पर सरकार का चाबुक चला।

अगर इससे भी काम नहीं बना तो विदेश से वित्तीय सहायता, धनशोधन आदि के मामले बनाकर प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई या इनकम टैक्स को आगे किया गया। कई ऐसे मामले भी सामने आए जिनमें स्थानीय पत्रकारों को सवाल पूछने पर भाजपा नेताओं ने डांटा कि हम तुम्हारे मालिक से शिकायत करेंगे। धमकी के तरह-तरह के रूप स्वतंत्र पत्रकारिता को कुचलने के लिए आजमाए जा रहे हैं। इसी वजह से विश्व में प्रेस स्वतंत्रता में भारत का स्थान काफी पीछे है।

2025 के वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में 180 देशों की सूची में भारत 151वें स्थान पर रहा है, 2024 में मिले 159वें स्थान की तुलना में 8 पायदान भारत ऊपर चढ़ा, लेकिन उसका कोई असर धरातल पर दिखाई नहीं दे रहा। बता दें कि वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संस्था आरएसएफ-रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा तैयार की जाती है।

2025 की रिपोर्ट में भारत की स्थिति पर की गई टिप्पणी में लिखा है, '2014 में नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद भारत की मीडिया एक 'अनौपचारिक आपातकाल' की स्थिति में आ गई है। मोदी ने अपनी पार्टी भाजपा और मीडिया पर राज करने वाले बड़े परिवारों के बीच एक उल्लेखनीय निकटता बना ली है। रिलायंस इंडस्ट्रीज़ समूह के मालिक मुकेश अंबानी, जो प्रधानमंत्री के करीबी दोश्त हैं, 70 से अधिक मीडिया संस्थानों के मालिक हैं, जिन्हें कम से कम 80 करोड़ भारतीय देखते हैं। वहीं 2022 के अंत में गौतम अडानी द्वारा एनडीटीवी का अधिग्रहण मुख्यधारा की मीडिया में विविधता के अंत का संकेत था।

अडानी भी मोदी के करीबी माने जाते हैं।' रिपोर्ट में आगे लिखा है, 'हाल के वर्षों में वे मीडिया संस्थान प्रमुखता से उभरे हैं, जो ख़बर में भाजपा समर्थक प्रचार मिलाकर दिखाते हैं। दबाव और प्रभाव के जरिए भारत में एक विविधतापूर्ण प्रेस मॉडल को चुनौती दी जा रही है। प्रधानमंत्री प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करते, केवल उन पत्रकारों को इंटरव्यू देते हैं जो उनके अनुकूल हों, और जो आलोचक हों, उन्हें लेकर वे काफी आलोचनात्मक रुख अपनाते हैं।

जो पत्रकार सरकार की तीखी आलोचना करते हैं, उन्हें भाजपा समर्थित ट्रोल्स द्वारा सोशल मीडिया ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है।' रिपोर्ट में पत्रकारों की सुरक्षा पर कहा गया है कि, 'हर साल औसतन दो से तीन पत्रकार अपने काम की वजह से मारे जाते हैं, जिससे भारत दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में शामिल हो गया है जहां मीडिया के लिए काम करना बेहद जोखिम भरा है।'

'जो पत्रकार सरकार की आलोचना करते हैं, उन्हें नियमित रूप से ऑनलाइन उत्पीड़न, धमकियों, शारीरिक हमलों, आपराधिक मुकदमों और मनमाने ढंग से गिरफ्तारी का सामना करना पड़ता है।'

भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहकर उस पर गर्व करने वाले प्रधानमंत्री और उनकी सरकार के लिए यह कड़वी टिप्पणी ऐसा आईना थी, जिसमें सच्चाई देखकर हालात सुधारने की पहल की जा सकती थी। लेकिन अफसोस कि साल में औसतन दो-तीन पत्रकारों के मारे जाने का तथ्य नहीं बदल पाया।

'महिलाओं पर डबल बोझ : शिक्षा विभाग में कपल केस अंक हटाना'

'नौकरीपेशा महिलाओं के घर और ऑफिस के दबाव में बढ़ता संघर्ष और सरकारी नीतियों का असंतुलित प्रभाव'

हरियाणा में शिक्षा विभाग की ट्रांसफर पॉलिसी में कपल केस अंक हटाने का निर्णय नौकरीपेशा महिलाओं के लिए गंभीर चुनौती है। समाज में महिलाओं से अपेक्षित ''आदर्श पत्नी'' और ''आदर्श बहू'' की भूमिका उन्हें घर और ऑफिस दोनों में बराबरी का बोझ उठाने पर मजबूर करती है।

पुरुष कर्मचारी अक्सर केवल अपनी नौकरी पर ध्यान देते हैं, जबकि महिलाएं घर का खाना बनाना, बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल और ऑफिस-सभी जिम्मेदारियां निभाती हैं। यह नीतिगत बदलाव महिलाओं पर अतिरिक्त दबाव डालता है और सशक्तिकरण के दावे को कमजोर करता है...

डॉ. सत्यवान सौरभ

समाज में महिलाओं की स्थिति और उनके सशक्तिकरण को लेकर आज भी अनेक चुनौतियाँ हैं। विशेषकर नौकरीपेशा महिलाओं के लिए यह चुनौती और भी गहरी है क्योंकि उन्हें घर और कार्यस्थल-दोनों स्थानों पर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना पड़ता है।

हरियाणा में हाल ही में शिक्षक स्थानांतरण नीति में किए गए बदलाव-जिनमें "कपल केस" के अंक हटाने की सिफारिश शामिल है-ने इस मुद्दे को फिर से उजागर कर दिया है। यह बदलाव केवल प्रशासनिक नहीं है, बल्कि महिलाओं के जीवन और उनके पारिवारिक संतुलन पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालता है। हरियाणा के शिक्षा विभाग की स्थानांतरण नीति 2016 से विकसित होती रही है।

इस नीति के तहत यदि एक ही परिवार में पति और पत्नी दोनों शिक्षक हों, तो उन्हें कपल केस अंक (प्राथमिकता अंक) दिए जाते थे।

इसका उद्देश्य था कि दोनों पति-पत्नी एक ही जिले या नज़दीकी स्थान पर पदस्थापित हो सकें, ताकि पारिवारिक संतुलन बना रहे और महिलाओं को नौकरी के साथ परिवार संभालने में सुविधा मिले। इस प्रकार की प्राथमिकता न केवल महिलाओं के लिए लाभकारी थी, बल्कि यह पूरे परिवार के जीवन, बच्चों की पढ़ाई, पारिवारिक जिम्मेदारियों और मानसिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण थी।

2016 के बाद इस नीति में कुछ मामूली बदलाव हुए, लेकिन कपल केस अंक बने रहे। 2023 के ड्राफ्ट स्थानांतरण नीति में अब इन अंक को हटाने की सिफारिश की गई है। इसका अर्थ है कि पति-पत्नी दोनों शिक्षक होने पर अब उन्हें पहले जैसी प्राथमिकता नहीं मिलेगी। इस बदलाव का प्रभाव सीधे महिला शिक्षिकाओं पर पड़ता है।

उन्हें अब परिवार और नौकरी के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। पारिवारिक जीवन प्रभावित हो सकता है, क्योंकि पति-पत्नी अलग-अलग स्थानों पर नियुक्त हो सकते हैं।

शिक्षक समुदाय में असंतोष और विरोध बढ़ सकता है। शिक्षक संघों और सामाजिक संगठनों ने इसे पारिवारिक और लैंगिक दृष्टिकोण से आलोचना की है। उनका कहना है कि यह निर्णय "महिलाओं के हितों के विरुद्ध" और "परिवार विरोधी" कदम है।

"डबल बर्डन" एक सामाजिक अवधारणा है, जिसका अर्थ है कि महिला को घर और नौकरी-दोनों जगह अपने कर्तव्यों का पालन करना पड़ता है, जबकि पुरुष केवल अपनी नौकरी पर ध्यान देते हैं। यह असमानता आज भी भारतीय समाज में गहराई से मौजूद है।

एक उदाहरण देखें। एक नौकरीपेशा पुरुष के लिए घर से भोजन ले जाना सामान्य बात है, और उसके घर के अन्य कामों का बोझ कम होता है। वहीं नौकरीपेशा महिला को घर का खाना बनाना, बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सहायता, घर की सफाई-सभी जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपनी नौकरी भी निभानी पड़ती है। इस असमानता के कारण महिला पर मानसिक, शारीरिक और सामाजिक दबाव बढ़ जाता है।

जब स्थानांतरण नीति जैसी सरकारी नीतियाँ भी इस असमानता को नजरअंदाज करती हैं, तो यह सशक्तिकरण के दावों को कमजोर कर देती है।

महिला सशक्तिकरण केवल नौकरी या योजनाओं तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसका असली अर्थ है कि महिलाओं को समान अवसर, समान वेतन, समान जिम्मेदारी और सुरक्षित वातावरण मिले।

हालांकि, जब कपल केस अंक हटाए जाते हैं, तो यह सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से महिलाओं के लिए असमानता को बढ़ाता है। भारतीय समाज में अक्सर महिलाओं से "आदर्श पत्नी" और "आदर्श बहू" बनने की अपेक्षा की जाती है। इसका अर्थ है कि घर और परिवार की जिम्मेदारी महिला पर ही डाली जाती है, जबकि पुरुषों को इस दबाव से अपेक्षाकृत कम गुजरना पड़ता है।

कपल केस अंक हटने का असर इस असमानता को और बढ़ा देता है। महिला शिक्षिका को नौकरी में सफलता पाने के लिए अपने परिवार के समय और जिम्मेदारियों का नुकसान उठाना पड़ सकता है। पारिवारिक संतुलन बिगड़ता है, और इससे महिला की मानसिक और भावनात्मक स्थिति प्रभावित होती है।

यह बदलाव महिलाओं को केवल "कर्तव्यपूर्ण" भूमिका तक सीमित करने जैसा है, जबकि उन्हें समान अधिकार और अवसर मिलने चाहिए। समाज में सुधार की दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता है। घर के काम को बराबरी से बाँटना चाहिए।

पुरुषों को घरेलू कार्यों और बच्चों की देखभाल में बराबरी का योगदान देना चाहिए। सरकारी नीतियों में लैंगिक संवेदनशीलता लाना आवश्यक है।

महिलाओं को केवल "त्याग और कर्तव्य" का बोझ न देना, बल्कि समान अधिकार और दर्जा देना चाहिए।

नीतियों में लैंगिक संवेदनशीलता लाना जरूरी है। स्थानांतरण नीतियों में कपल केस जैसी प्राथमिकताओं को बनाए रखना चाहिए और महिला शिक्षिकाओं के लिए पारिवारिक परिस्थितियों को ध्यान में रखना चाहिए। शिक्षक संघों और समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण है।

संघों के माध्यम से सरकारी निर्णयों पर विचार-विमर्श और विरोध किया जा सकता है। मीडिया और सामाजिक मंचों पर लैंगिक असमानता और डबल बर्डन के प्रभाव पर जागरूकता फैलाना आवश्यक है।

घर और नौकरी का संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है। परिवार में जिम्मेदारियों का बराबर बंटवारा किया जाना चाहिए। पुरुषों को घरेलू कार्यों और बच्चों की देखभाल में बराबरी का योगदान देना चाहिए।

आरटीआई और पारदर्शिता के माध्यम से शिक्षा विभाग से जानकारी लेना चाहिए कि कपल केस अंक हटाने का निर्णय क्यों और किस आधार पर लिया गया।

इससे नीति बनाने में पारदर्शिता और न्यायसंगत निर्णय सुनिश्चित होंगे।

हरियाणा में शिक्षक स्थानांतरण नीति में कपल केस अंक हटाना केवल एक प्रशासनिक बदलाव नहीं है, बल्कि यह महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के लिए एक चुनौती भी है।

यह बदलाव महिलाओं के ऊपर डबल बर्डन को और बढ़ा देता है। महिला सशक्तिकरण का असली अर्थ केवल नौकरी या योजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि समान जिम्मेदारी, पारिवारिक संतुलन और सुरक्षित वातावरण भी है।

यदि समाज और सरकार सच में महिलाओं को सशक्त बनाना चाहते हैं, तो उन्हें नीतियों में लैंगिक संवेदनशीलता, पारिवारिक जिम्मेदारी का बराबर बंटवारा, और महिला अधिकारों की रक्षा पर ध्यान देना होगा। समान अवसर, समान जिम्मेदारी और पारदर्शिता ही महिलाओं के लिए वाश्तविक सशक्तिकरण का आधार है।

बिना इसके, किसी भी नीतिगत या आर्थिक पहल का प्रभाव सीमित रहेगा और डबल बर्डन जैसी समस्याएं बनी रहेंगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com
RNI-UPHIN/2009/30721

इंस्पायर अवार्ड योजना में प्राप्त किया देश में 37वां स्थान

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

इंस्पायर अवार्ड योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश ने देशभर में सर्वाधिक पंजीकरण कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि प्रदेश के छात्रों और शिक्षकों की प्रतिभा एवं सक्रिय भागीदारी का परिणाम है। संयुक्त शिक्षा निदेशक अलीगढ़ मंडल,अलीगढ़ मनोज कुमार गिरी द्वारा बताया गया कि वर्ष 2025 में इंस्पायर योजना अन्तर्गत अलीगढ़ मंडल ने 14072 नामांकन किया.जोकि योजना की शुरूवात से अब तक का यह सर्वाधिक नामांकन है।

इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक अलीगढ़ डॉ पूरन सिंह ने कहा कि अलीगढ़ जनपद ने भी उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है, प्रदेश के 75 जनपदों में अलीगढ़ ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में 15 वां देश श्तर पर 37वां स्थान हासिल किया। यह उपलब्धि जनपद के विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच और नवाचार की क्षमता का प्रमाण है। सह जिला विद्यालय निरीक्षक अलीगढ़ राजकिशोर ने कहा दृवर्ष 2025-26 में इंस्पायर मानक योजनान्तर्गत पात्र छात्र/छात्राओं के ऑनलाईन नामांकन 15 जून, 2025 से प्रारम्भ होकर दिनांक 30 सितम्बर, 2025 तक हुए। उ०प्र० में माध्यमिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों के साथ-साथ इस वर्ष बहुत बड़ी संख्या में बेसिक शिक्षा परिषद् के नियन्त्राधीन जूनियर हाईस्कूलो, कम्पोजिट स्कूलों, कश्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों, उ०प्र० माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद अन्तर्गत संचालित संस्कृत विद्यालयों के तका केन्द्रीय बोर्डस के छात्र/छात्रों द्वारा भी मौलिक एवं नवाचारी विचारों, नवप्रयोग/आइडियाज का ऑनलाईन नामांकन किये गये।

एक दिन की एएसपी ने किया लुटेरी दुल्हन का निस्तारण

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा उत्तर प्रदेश में नारी सशक्तिकरण को लेकर महिलाओं एवं बच्चियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासन और प्रशासन श्तर पर एक दिन का पदभार ग्रहण करने का अभियान चलाया हुआ है।

अभियान के तहत स्कूली बच्चियों को जिले के प्रशासन के द्वारा एक दिन का पदभार दिया जा रहा है। जिससे बच्चियों को आत्मनिर्भर बनाया जा सके एवं उनके भविष्य को उज्जवल बनाया जा सके, जब इस पूरे मामले में एक दिन की एएसपी बनी छात्रा नव्या गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री का तहे दिल से आभार व्यक्त करती हूं कि उन्होंने इस तरह का अभियान चलाकर हमारे अंदर जुनून उत्पन्न किया है। जिससे हम अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सके और देश के प्रति अपना योगदान निभा सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा चलाए गए अभियान नारी सशक्तिकरण के तहत आज स्कूली छात्रा को एक दिन का एएसपी बनाया गया है।

जिससे बच्ची का मनोबल बढ़ सके और उसका उज्जवल भविष्य हो सके, इस पूरे मामले में एएसपी मयंक पाठक ने बच्ची को पदवार ग्रहण कराया और आई हुई शिकायतों में बच्ची के साथ मिलकर निश्तारण भी कराया। एएसपी मयंक पाठक ने छात्र नव्या गुप्ता की तारीफ करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

जिला प्रशासन की सख्ती से डॉक्टरों ने खत्म की हड़ताल

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अमुवि के जेएन मेडिकल कॉलेज में मरीज की मृत्यु से गुस्साए तीमारदारों द्वारा डाक्टरों से की मारपीट के चलते हुई से मरीजों को परेशानी उठानी पड़ी। मुकदमा दर्ज होने के बाद भी डाक्टर हड़ताल खत्म करने को राजी नहीं हुए तो जिला प्रशासन की सख्ती करनी पड़ी।

कुलपति प्रो. नईमा खातून और एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट की की मौजूदगी में डाक्टर हड़ताल खत्म करने को राजी भी हो गए, लेकिन गुरुवार को पूरे दिन काम पर नहीं लौटे। पुलिस ने नोटिस देकर मारपीट के मामले में बयान को बुलाए तो होश उड़ गए। इसके बाद ही हड़ताल खत्म कर रात आठ बजे काम पर लौटे।

सिविल लाइन क्षेत्र के टूटी बाउंड्री जमालपुर निवासी अली हसन का जेएन मेडिकल कालेज में इलाज चल रहा था। वह वार्ड-11 में मंगलवार सुबह सात बजे अचानक तबीयत बिगड़ गई। ड्यूटी पर तैनात जेआर-1 डॉ. आकाश और जेआर-2 डॉ. कार्तिकेय ने मरीज को सीपीआर दिया। लेकिन मरीज को बचाया नहीं जा सका। इससे गुस्साएं तीमारदारों ने डाक्टरों से मारपीट कर दी।

जय श्री राम से गूंजा नुमाइश मैदान, खाक हुआ दशानन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

विजयादशमी का पर्व जनपद में धूमधाम से मनाया गया। शहर का मुख्य आकर्षण का केंद्र रहने वाले श्री रामलीला महोत्सव का रावण दहन मेले में शाम को नुमाइश मैदान में राम रावण का युद्ध हुआ।

इसके बाद जैसे ही पूरे मैदान में मौजूद जनता ने जय श्री राम के जयकारे लगाए, वैसे ही मेघनाथ, कुंभकरण व रावण के पुतले धू धू कर जल गए। नुमाइश मैदान में सैकड़ों की संख्या में पहुंचे लोगों के बीच श्री राम ने रावण के अभिमान को मिट्टी में मिलाकर चकनाचूर कर दिया।

शूटरों की अशोक से 27 और पूजा से 11 बार फोन पर हुई बात... महामंडलेश्वर ने कराया था शोरूम संचालक का कत्ल

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ में महामंडलेश्वर व अखिल भारत हिंदू महासभा की राष्ट्रीय सचिव अन्नपूर्णा भारती (पूजा शकुन पांडेय) और उनके पति अशोक पांडेय ने बाइक शोरूम स्वामी अभिषेक को मारने के लिए तीन लाख की सुपारी दी थी। गिरफ्तार किए गए शूटर ने पुलिस को पूछताछ में यह बात बताई। खैर के बाइक शोरूम स्वामी अभिषेक गुप्ता की 26 सितंबर की रात हुई हत्या में शामिल रहे एक शूटर फजल को बुधवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बताया कि पुलिस अब दूसरे शूटर की तलाश में जुटी हुई है।

एसएसपी नीरज कुमार जादौन ने बुधवार को पुलिस लाइन में मीडिया से बातचीत में पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि हाथरस के सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव कचौरा निवासी बाइक शोरूम संचालक अभिषेक गुप्ता की 26 सितंबर की रात खेरेश्वर चौराहा पर बाइक सवार शूटरों ने हत्या कर दी थी।

इसमें परिजनों ने अखिल भारत हिंदू महासभा की राष्ट्रीय सचिव महामंडलेश्वर अन्नपूर्णा भारती उर्फ पूजा शकुन पांडेय, उसके पति राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक पांडेय व दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने अशोक पांडेय को 28 सितंबर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

एसएसपी ने बताया कि शूटरों व महामंडलेश्वर की तलाश में थाना रोरावर पुलिस, स्वॉट, सर्विलांस व एसओजी की टीम जुटी हुई थीं। पुलिस ने घटनास्थल से लेकर कस्बा खैर व शहर में कई स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो पता चला कि घटना के वक्त दोनों शूटरों में से एक फजल निवासी नींवरी, गोंडा रोड रोरावर बाइक चला रहा था और उसने हेलमेट पहन रखा था, जबकि दूसरे साथी आसिफ निवासी नींवरी रोड सोसायटी का चेहरा खुला हुआ था। पहचान के बाद पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू कर दी।

कई दिन तक की थी अभिषेक की रैकी

पूजा शकुन पांडेय व अशोक पांडेय के बताए अनुसार, दो बार फजल व आसिफ ने खैर स्थित अभिषेक गुप्ता के टीवीएस शोरूम पर जाकर रेकी की। घटना वाले दिन फजल व आसिफ मोटरसाइकिल से अपने घर से निकले और कस्बा खैर में जाकर अभिषेक गुप्ता का शोरूम से बाहर आने का इंतजार करने लगे।

अभिषेक का शोरूम के पास ही कमरा भी था। अभिषेक रोजाना अपने पिता व चचेरे भाई के साथ द टाउन पैलेस होटल पर खाना खाने आते थे। किसी कारणवश वह उस दिन खाना खाने नहीं गए। उन्होंने तय कर रखा था कि अभिषेक के बाहर निकलने पर उनकी हत्या करनी है, लेकिन मौका नहीं लगा। काफी देर तक वह गोलगप्पे की ढकेल पर खड़े होकर इंतजार करते रहे। शाम को अभिषेक अपने पिताजी व चचेरे भाई के साथ रोडवेज बस में बैठकर खेरेश्वर चौराहे की तरफ चले तो उन्होंने रोडवेज बस का पीछा शुरू कर दिया। खेरेश्वर चौराहे पर पहुंचकर अभिषेक गुप्ता अपने पिता व चचेरे भाई के साथ जैसे ही बस से उतरकर पैदल पैदल आकर सिकंदराराऊ की ओर जाने वाली बस में चढ़ रहे थे, तभी मौका देख आसिफ ने तमंचे से गोली चला दी और घटना को अंजाम देकर मौके से भाग गए।

अशोक से 27, पूजा से 11 बार फोन पर हुई बात: घटना के बाद पुलिस ने करीब 100 से 125 सीसीटीवी कैमरों को खंगालने के साथ ही सीडीआर भी निकाली तो पता चला कि शूटर फजल व आसिफ की अशोक पांडेय से अगस्त से सितंबर तक 27 बार और पूजा शकुन पांडेय से 11 बार फोन पर बात हुई थी। इसकी मोबाइल फोन में रिकॉर्डिंग भी मिली है।- नीरज जादौन, एसएसपी

सात-आठ साल से थी पांडेय दंपती से जान-पहचान : एसएसपी के अनुसार शूटर फजल वैल्डिंग का काम करता था। वह अशोक पांडेय को करीब सात- आठ साल से जानता है। एक- डेढ़ माह पहले अशोक पांडेय के घर वैल्डिंग का काम चल रहा था। फजल ने बताया कि अशोक पांडेय ने उनसे कहा कि एक लड़के की हत्या करानी है। इसके लिए उसने अपने साथी आसिफ निवासी नींवरी मोड सोसाइटी, थाना रोरावर से बातचीत कराई। तीन लाख रुपये की सुपारी लेकर हत्या करने की बात तय हुई।

इसके कुछ दिन बाद अशोक पांडेय के आवास पर अशोक व पूजा शकुन पांडेय से फजल व आसिफ ने बातचीत की। तब पूजा शकुन पांडेय ने अभिषेक गुप्ता का फोटो दिखाकर कहा कि इसकी हत्या करनी है। हत्या के लिए एक लाख रुपये अशोक पांडेय ने बतौर एडवांस दिए थे। बाकी रकम हत्या करने के बाद देना तय हुआ था।

एसएसपी ने बताया कि पूजा शकुन पांडेय व अभिषेक के बीच काफी करीबी संबंध थे। अचानक अभिषेक ने दूरी बनाना शुरू कर दिया। टीवीएस शोरूम में पार्टनरशिप व लेन-देन करने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था।

इसी विवाद को लेकर पूजा शकुन व

बरेली में दो दिन इंटरनेट बंद रहने का मैसेज वायरल, बीएसएनएल के जीएम ने बताई सच्चाई

बरेली, एजेंसी। बरेली में इंटरनेट बंद होने की खबर सोशल मीडिया पर बृहस्पतिवार को वायरल हो गई। लोग एक-दूसरे को आदेश की कॉपी भेजते रहे। हालांकि बीएसएनएल के जीएम ने इसकी पुष्टि नहीं की है। सोशल मीडिया पर उत्तर प्रदेश के सचिव गौरव दयाल के नाम से लिखा हुआ एक पत्र वायरल हुआ, जिसमें कहा गया था कि बरेली जिले में सुरक्षा के मद्देनजर दो अक्टूबर दोपहर 3:00 बजे से चार अक्टूबर दोपहर 3:00 बजे तक इंटरनेट सेवा बंद रहेगी।

इस आदेश की कॉपी कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। 48 घंटे के लिए दोबारा नेट बंद होने से लोगों में हलचल मच गई। परिचितों से पता करते रहे। हालांकि बीएसएनएल के जीएम पंकज पोरवाल ने बताया कि इंटरनेट बंद करने के लिए उन पर कोई आदेश नहीं आया है। बता दें कि पिछले शुक्रवार को हुए बवाल के बाद जिले में दो दिन तक इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई थी।

दशहरा और जुमा पर पुलिस अलर्ट

फिलहाल शहर में हालात पूरी तरह सामान्य हैं। आम दिनों की तरह बाजार में चहल-पहल है। वहीं दशहरा और इसके बाद जुमे की नमाज को देखते हुए सुरक्षा बढ़ाई है। पुलिस प्रशासन के अफसर लगातार भ्रमणशील हैं। एसपी साउथ अंशिका वर्मा के नेतृत्व में पुलिस बल ने बृहस्तपिवार को शहर के संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च किया।

एसपी साउथ ने बताया कि महिला एसओजी की वीरांगना यूनिट के साथ महिला क्यूआरटी की छह टीमें तैनात की गई हैं। प्रत्येक टीम में 30-35 कर्मी हैं। क्यूआरटी हर तरह की चुनौतियों से निपटने में पूरी तरह सक्षम हैं। कंट्रोल रूम से भीड़ की गतिविधियों पर नज़र रखी जा रही है। जहां भी भीड़ जमा होती दिखेगी, अलर्ट जारी कर दिया जाएगा और संबंधित बल को तैनात कर दिया जाएगा।

जुमे की नमाज पढ़कर अपने घर जाएं मुसलमान, किसी के बहकावे में न आएं, बरेली में मौलाना शहाबुद्दीन की अपील

बरेली, एजेंसी। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि पिछले जुमे के दिन जो घटना हुई वो बहुत अफसोसनाक है। कल फिर जुमे की नमाज अदा की जाएगी। मौलाना ने सभी मुसलमानों से अपील करते हुए कहा कि जुमे की नमाज पढ़कर सीधे अपने घरों को वापस हो जाएं। सड़कों और चौराहों पर भीड़ का हिस्सा न बनें। अगर कोई व्यक्ति धरना प्रदर्शन के लिए या इकट्ठा होने के लिए बुलाता है तो हरगिज ना जाएं।

मौलाना ने मस्जिद के इमामों से अपील करते हुए कहा कि कुछ मस्जिद के इमाम राजनीति का हिस्सा बन जाते हैं। मगर अब उनको बखूबी सोचना होगा। ऐसे राजनीतिक लोगों से अपना रिश्ता नाता खत्म करना होगा। इमामों से गुजारिश है कि बरेली के सियासी हालात को देखते हुए अपनी अपनी मस्जिदों में अमन व शांति बनाए रखने की अपील करें। नौजवानों को समझाएं कि किसी के बहकावे में न आएं।

पोस्टर-बैनर सिर्फ दिखावा

शहाबुद्दीन रजवी ने आगे कहा कि पैगंबर-ए-इस्लाम से मोहब्बत करना हमारा ईमान व अकीदा है। मगर उनकी शिक्षा पर अमल करना बेहद जरूरी है, ये असल मोहब्बत का पैमाना है। पोस्टर-बैनर तो सिर्फ एक दिखावा है। इसको मोहब्बत नहीं कहा जा सकता। पैगंबर-ए-इस्लाम ने टकराव की नीति कभी भी नहीं अपनाई बल्कि अपने विरोधियों से हमेशा समझौता किया और बातचीत से मसले का हल किया। इस्लाम के इतिहास में दो समझौते बहुत मशहूर हैं। जो सुलह हुदैवीया और मिसाके मदीना के नाम से जाना जाता है।

जिहाद के लिए उकसाता था रजा, बना रहा था मुजाहिदीन आर्मी, यूट्यूब से सीखा सोशल मीडिया का इस्तेमाल

कानपुर, एजेंसी। केरल से पकड़ा गया हिंदू धर्मगुरुओं की हत्या की साजिश रचने वाला मोहम्मद रजा बेहद शातिर निकला। राधानगर थाना क्षेत्र के अंदौली गांव निवासी मोहम्मद रजा, युवाओं तक अपनी बात पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया का जमकर इस्तेमाल करता था। इंस्टाग्राम पर शरीयत के कानून और जिहाद की बात करने वाले उसके वीडियो का गांव के युवा इंतजार करते थे। वह खुद को मौलाना की तरह पेश कर युवाओं को भड़काऊ भाषण देता था, जिसे वह मोटिवेशनल स्पीच (उकसाने वाली जुबान) कहता था।

गांव के एक युवक ने बताया कि मोहम्मह रजा व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर युवाओं को जोड़ता और कट्टरपंथी विचार फैलाता था। उसके भाषणों में कौमी एकता की आड़ में कट्टरता भरी होती थी। सोशल मीडिया के जरिये वह अपनी कथित मुजाहिदीन आर्मी तैयार कर रहा था। राधागनगर थाना क्षेत्र के अंदौली गांव में मोहम्मद रजा की गिरफ्तारी के बाद माहौल गर्म है। गांव में चर्चा है कि वह लंबे समय से युवाओं को गुमराह कर कट्टरपंथ की ओर धकेल रहा था।

हर साल ईद और जलसे में आता था रजा: परिवार के करीबी लोगों का कहना है कि मोहम्मद रजा चाहे कहीं भी रहे, हर साल ईद और जलसे में शामिल होने आता था। यहां वह खुद को कट्टरपंथी बताता था। हालांकि उसकी गिरफ्तारी के बाद से अंदौली गांव में बुधवार को सन्नाटा पसरा रहा। मोहम्मद रजा के घर के गेट पर उसकी मां जमीला बानो, बहन व रिश्ते की चाची बैठीं दिखीं।

भाइयों को केरल तो ले गया, लेकिन खुद से दूर रखा : गांव के कुछ भी लोग दरवाजे पर एकत्र नजर आए। बहन ने बताया कि मार्च के अंतिम रमजान में रजा घर आया था। ईद के बाद केरल काम पर लौट गया। उसने तीन साल पहले दोनों छोटे भाइयों को भी काम पर बुला लिया था, लेकिन उन्हें अपने से अलग ही रखता था। मां और बहन ने रजा पर लगे आरोपों को बेबुनियाद बताया।

मुंबई और केरल के बीच की कड़ी कौन : मोहम्मद रजा के अचानक मुंबई छोड़कर केरल जाने की कड़ी का खुलासा नहीं हो पा रहा है। गांव से करीब सात से आठ साल पहले मोहम्मद रजा मुंबई गया था। मुंबई में रहने के करीब एक साल बाद ही वह केरल पहुंच गया। वह केरल किस माध्यम से पहुंचा, यह बड़ा सवाल है। इस बारे में भी एटीएस जांच कर रही है।

परिवार के आर्थिक हालत बेहद खराब थे : मोहम्मद रजा के पिता की कई साल पहले मौत हो गई थी। इसके बाद परिवार के आर्थिक हालात बेहद खराब हो गए थे। स्थानीय लोग बताते हैं कि मां जमीला लोगों के घरों में काम कर अपना और बच्चों का पालन पोषण करती थी। मोहम्मद रजा की की कमाई से परिवार की आर्थिक हालत सुधरने लगी थी। पक्का मकान बन चुका था। वह महीने में दो से तीन बार मां को रुपये भी भेजता था।

एटीएस ने भाइयों के मोबाइल फोन लौटाए : एटीएस ने मोहम्मद रजा को पकड़ने के बाद केरल के मल्लपुरम थाने लेकर पहुंची थी। इसका पता लगने पर भाई जीशान और शहजाद भी पहुंचे थे। एटीएस ने दोनों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए थे। घर वालों ने बताया कि जांच के बाद फिलहाल दोनों भाइयों के मोबाइल फोन लौटा दिए गए हैं।

कोरोना काल से दिमाग में आया जिहाद : सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2019 में कोरोना के समय मोहम्मद रजा मुंबई से गांव लौटकर आया था। घर पर खाली बैठे-बैठे वह मोबाइल पर कई इस्लामिक संगठनों के वीडियो देखकर जिहाद की तरफ आकर्षित हुआ। वह मोबाइल पर वीडियो देखने के बाद लोगों को भी कट्टरपंथी बनने की नसीहत देता था।

मोबाइल पर 100 से अधिक वीडियो : जिले की पुलिस के सूत्रों की मानें तो एटीएस ने मोहम्मद रजा के मोबाइल फोन की जांच शुरू की है। बताया जा रहा है कि उसके मोबाइल में 100 से अधिक वीडियो मिले हैं। अधिकतर वीडियो कट्टर पंथी इस्लामिक संगठनों के हैं। इन संगठनों के सरगना भड़काऊ और नफरती भाषण देते हैं। देश के कई धर्मगुरुओं के वीडियो भी मिले हैं। इन वीडियो को भी व्हाट्सएप ग्रुप में साझा कर मोहम्मद रजा अपनी कौम के लोगों को भड़काने का संदेश देता था।

अंदौली से नदारद युवाओं का पता करेगी खुफिया

अंदौली के मोहम्मद रजा के पकड़े जाने के बाद उसके कई साथी भूमिगत हुए हैं। उसके पकड़े जाने के बाद ही साथियों में एटीएस और लोकल पुलिस की धरपकड़ की दहशत है। खुफिया के सूत्रों का कहना है कि केरल अथवा अन्य राज्यों में अंदौली या जनपद के कई युवा उसकी टीम का हिस्सा हो सकते हैं। जो लोग उसकी गिरफ्तारी के बाद से और जो पहले से गांव छोड़ चुके हैं। उन सबका पता किया जा रहा है। यदि गायब लोग नहीं मिले और उनके परिजन सटीक जवाब न दे सके तो उनकी जानकारी यूपी एटीएस को दी जाएगी। इससे हो सकता है कि गिरोह के कुछ और सदस्य एटीएस की पकड़ में आ जाए।

एसटीएफ के मांगे गए इनपुट जुटाने में लगीं पुलिस की टीमें : एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) राधानगर थाना क्षेत्र के अंदौली गांव निवासी मोहम्मद रजा के बारे में बारीकी से जानकारियां जुटाने में लगी है। इसके लिए स्थानीय स्तर की कई टीमों को लगाया गया है। ये टीमें लगातार गांव में आवाजाही बनाए हैं। गांव स्तर पर रजा की गतिविधियों की छानबीन की जा रही है। केरल से मोहम्मद रजा के पकड़े जाने की खबर मंगलवार शाम को जिला प्रशासन को हुई। इसके बाद से ही जिले की पुलिस सतर्क हो गई। लोकल इंटेलीजेंस यूनिट (एलआईयू) की दो टीमें गांव में देर रात पहुंची। यहां उन्होंने कुछ लोगों से बातचीत की, लेकिन कोई अहम सुराग हाथ नहीं लगा।

इरफान बोले- तीन साल बाद बेगम के हाथ का खाना मिला, पार्टी विधायकों-समर्थकों से की मुलाकात

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में मंगलवार को जेल से रिहा होने के बाद पूर्व विधायक इरफान सोलंकी से उनके आवास पर मिलने वालों का सिलसिला लगातार जारी है। मंगलवार देर रात करीब तीन बजे घर पहुंचने पर बड़ी तादाद में समर्थकों ने उनका स्वागत किया था। बुधवार को भी पार्टी के विधायकों, पदाधिकारियों और शहरवासियों ने इरफान से मुलाकात की। पूर्व विधायक के मुताबिक वह शनिवार तक अजमेर शरीफ के लिए रवाना होंगे। वहां जियारत कर लौटने के बाद एम्स में इलाज के लिए जाएंगे। जेल में रहने के दौरान उनके पैरों में दिक्कत हो गई है। इरफान आठ अक्तूबर के बाद किसी दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलने लखनऊ भी जा सकते हैं।

इसके बाद वह सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं का शुक्रिया अदा करने के साथ ही राजनीतिक रूप से सक्रिय हो जाएंगे। सोलंकी परिवार की रवायत रही है कि चाहे हाजी मुश्ताक रहे हों या इरफान चुनाव जीतने के बाद मतगणना स्थल से ही अमजेर शरीफ के लिए रवाना हो जाते थे। इस बार विधायक का चुनाव जीतने के बाद नसीम सोलंकी अजमेर शरीफ नहीं गई थीं। उन्होंने कहा था कि वह पति के साथ ही वहां जाएंगी। अब जब इरफान 34 माह बाद जेल से आए हैं, तो वह पुरानी रवायत को निभाते हुए राजनीतिक सक्रियता से पहले अजमेर शरीफ जाएंगे। उनके साथ नसीम और परिवार के अन्य लोग भी जाएंगे।

दो टिकट के बयान पर भी चर्चा की: बुधवार को इरफान से मिलने वालों में विधायक अमिताभ बाजपेई, मोहम्मद हसन रूमी, महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद, पूर्व अध्यक्ष अब्दुल मुईन खां, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू, सम्राट विकास यादव समेत बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे। इस दौरान इरफान से सीसामऊ विधानसभा के चुनाव में योगदान देने के लिए आभार व्यक्त किया। इरफान सभी से गले लगकर मिले लेकिन अमिताभ

और अब्दुल मुईन को मारे खुशी के उन्होंने चूम लिया। इस दौरान कई पदाधिकारियों ने उनसे दो टिकट के बयान पर भी चर्चा की। हालांकि उन्होंने मजाक करते हुए समय आने पर पत्ते खोलने की बात कहकर इसे टाल दिया।

2029 में होने हैं लोकसभा चुनाव : हालांकि पार्टी सूत्रों के मुताबिक इरफान ने यह बयान कनपुरिया जुबान में सुर्रा छोड़ने और अपनी पार्टी के साथ विपक्षी दलों को टेंशन देने के लिए दिया था। दरअसल इरफान को कोर्ट ने सात साल की सजा सुनाई है। बिना सजा खत्म हुए उनका चुनाव लड़ना नामुमकिन है। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने भी बीते दिनों उन्हें अपनी पत्नी को ही विधायक बने रहने देने की नसीहत दी थी। इस स्थिति में उनके 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ने के आसार बहुत कम हैं। हालांकि कोर्ट के आदेश के बाद ही इसकी संभावना बन सकेगी। विधानसभा चुनाव में सीसामऊ का टिकट तो सोलंकी परिवार को पक्का है। लोकसभा चुनाव 2029 में होने हैं। इस समय तक यदि कोर्ट ने इरफान को सजा से मुक्त कर दिया, तो वह दावेदारी कर सकते हैं। हालांकि इस मुद्दे को संगठन के पदाधिकारियों और सभी विधायकों ने आलाकमान से जुड़ा फैसला बताया।

तीन साल बाद बेगम के हाथ का खाना मिला : अपने घर पर इरफान सभी से अपनेपन से मिले और पुरानी यादों पर बातचीत की। भोजन के दौरान इरफान ने कहा कि तीन साल बाद घर और अपनी बेगम के हाथ का बना भोजन कर रहा हूं। उनको तेजी खाते देख नसीम ने कहा कि आराम से खाएं। इस पर इरफान बोले कि अभी इतनी जल्दी जेल की आदत नहीं छूटेगी। हर काम वहां घंटे की आवाज सुनकर करते थे। अभी भी घंटे की आवाज कानों में गूंजती है। कहा कि बहुत समय बाद बच्चों के साथ समय बिताया। बिना रोक-टोक के उनको दुलारा। शाम करीब छह बजे इरफान ने भाइयों और परिजनों के साथ चुन्नीगंज स्थित पिता हाजी मुश्ताक सोलंकी की कब्र पर फातिहा पढ़ा। उनके आवास पर शुभचिंतकों से मुलाकात का दौर देर रात तक चलता रहा।

सुरक्षाकर्मियों के साथ होने पर उठे सवाल : चुन्नीगंज कब्रिस्तान में जब इरफान फातिहा पढ़ने पहुंचे तो कब्र तक उनके साथ पुलिस के दो सुरक्षाकर्मी भी साथ थे। इसे लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं कि गनर उनकी विधायक पत्नी को मिले हैं। वह पूर्व विधायक के साथ कैसे रह सकते हैं। इस बारे में इरफान ने कहा कि नसीम साथ ही चुन्नीगंज तक गई थीं। गनर उन्हीं के साथ थे। हमारे मजहब में औरतें कब्र पर नहीं जातीं इसलिए वह कार में बैठी रहीं। मैं पिता की कब्र पर फातिहा पढ़ने गया था गनर कहां हैं यह देखने की फुरसत नहीं थी।

गोट टूर ऑफ इंडिया 2025 के तहत 13 से 15 दिसंबर तक भारत दौरे पर रहेंगे लियोनेल मेसी

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय और सफल फुटबॉलरों में से एक और अर्जेंटीना को अपनी कप्तानी में फीफा विश्व कप जिताने वाले लियोनल मेसी का भारत दौरा कंफर्म हो गया है। लियोनेल मेसी गोट टूर ऑफ इंडिया 2025 के तहत 13 से 15 दिसंबर तक भारत दौरे पर रहेंगे। मेसी के टूर इवेंट मैनेजर ने कार्यक्रम की पुष्टि कर दी है। तीन दिवसीय दौरे (13-15 दिसंबर) के दौरान मेसी के कार्यक्रम कोलकाता, मुंबई और नई दिल्ली में होंगे। चौथे शहर की घोषणा जल्द ही की जाएगी। मेसी से जुड़े कार्यक्रम साल्ट लेक स्टेडियम (कोलकाता), वानखेड़े स्टेडियम (मुंबई), अरुण जेटली स्टेडियम (नई दिल्ली) में होंगे। कोलकाता में एक प्रतिमा अनावरण और एक नई धर्मार्थ पहल का शुभारंभ जैसे समारोह भी शामिल हैं। कार्यक्रम के टिकट विशेष रूप से डिस्ट्रिक्ट ऐप के माध्यम से उपलब्ध होंगे। दौरे के दौरान मेसी का पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और दिल्ली के स्थानीय खेल एवं मनोरंजन जगत की हस्तियों, गणमान्य व्यक्तियों और राज्य के नेताओं से भी मिलने का कार्यक्रम है। विश्व कप विजेता अर्जेंटीना के कप्तान ने आखिरी बार 2011 में कोलकाता में फीफा के एक दोस्ताना मैच के लिए भारत का दौरा किया था। उनकी यह यात्रा अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले 2026 फीफा विश्व कप से एक साल से भी कम समय पहले हो रही है। 38 साल के मेसी अपने करियर के आखिरी दौर में हैं। फीफा विश्व कप 2026 के बाद वह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं। अर्जेंटीना के इस दिग्गज फुटबॉलर को चाहने वालों की संख्या भारत में करोड़ों में है। ऐसे में उनका भारत आना उनके फैंस के लिए विशेष क्षण होने वाला है। 2023 से इंटर मियामी के लिए प्रोफेशनल फुटबॉल खेलने वाले मेसी ने अर्जेंटीना के लिए खेले 194 मैचों में 114 गोल किए हैं और सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की ऑल टाइम सूची में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बाद दूसरे स्थान पर हैं। रोनाल्डो ने पुर्तगाल के लिए 223 मैचों में 141 गोल किए हैं।

तमिलनाडु की धाविका शेखर धनलक्ष्मी को झटका, दूसरी बार डोप परीक्षण में विफल हुईं

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु की धाविका शेखर धनलक्ष्मी अपने करियर में दूसरी बार डोप परीक्षण में विफल हो गई हैं। अगर वह दोषी पाई जाती हैं तो उन्हें अधिकतम आठ साल के लिए प्रतिबंधित किया जा सकता है। 27 वर्षीय धनलक्ष्मी ने 2022 में डोप उल्लंघन के लिए तीन साल के प्रतिबंध के बाद इसी साल वापसी की थी। एक विश्वसनीय सूत्र ने 'पीटीआई' मामले की जानकारी दिए बिना पुष्टि की, हां, वह फिर से पॉजिटिव पाई गई है। विश्व एथलेटिक्स की 'एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट' द्वारा मई 2022 में किए गए प्रतियोगिता के इतर परीक्षण में धनलक्ष्मी मेटांडिएनोन (एक एनाबॉलिक एंड्रोजेनिक स्टेरॉयड) के लिए पॉजिटिव पाई गई थी और उन्हें बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था। राष्ट्रमंडल खेलों से पहले तुर्की के अंताल्या में अन्य भारतीय एथलीटों के साथ ट्रेनिंग के दौरान उसका नमूना लिया गया था। प्रतिबंध खत्म होने के बाद धनलक्ष्मी ने पंजाब के संगरूर में इंडियन ओपन एथलेटिक्स मीट में वापसी की थी। इस साल अगस्त में चेन्नई में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप में धनलक्ष्मी ने महिला 100 मीटर और 200 मीटर रेस में क्रमशः 11.36 सेकेंड और 23.53 सेकेंड का समय लेकर दोनों में स्वर्ण पदक जीता था।

जसप्रीत बुमराह ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, घर में टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 50 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

अहमदाबाद, एजेंसी। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ पहले टेस्ट में अपनी शानदार लय में लौटते हुए दर्शकों को रोमांचित कर दिया। एशिया कप में औसत प्रदर्शन के बाद यह वापसी बुमराह के लिए बेहद महत्वपूर्ण रही। बुमराह टेस्ट क्रिकेट में घर में 50 विकेट लेने वाले सबसे तेज गेंदबाज बन गए हैं।

नई गेंद, नई लय और यॉर्कर का जादू

बुमराह ने अपनी तेज़ और सटीक गेंदबाज़ी के साथ भारतीय बल्लेबाज़ों और दर्शकों का दिल जीत लिया। उन्होंने नई गेंद से तो कमाल दिखाया ही, साथ ही पुरानी गेंद के साथ भी विपक्षी बल्लेबाज़ों को परेशान किया। उनकी ख़ास यॉर्कर और धीमी गेंदें फिर से उनकी सबसे बड़ी ताकत बन गई हैं। घरेलू मैदान पर उनकी वापसी ने यह साबित कर दिया कि बुमराह किसी भी परिस्थिति में अपनी काबिलियत दिखा सकते हैं।

टेस्ट क्रिकेट में नया रिकॉर्ड

पहली पारी में तीन विकेट लेने के बाद बुमराह ने भारत में 50 टेस्ट विकेट लेने वाले सबसे तेज़ भारतीय तेज़ गेंदबाज़ बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने यह उपलब्धि केवल 292.5 ओवर (1757 गेंदें) में हासिल की, जो कि पूर्व दिग्गज जवागल श्रीनाथ के रिकॉर्ड के बराबर है।

घरेलू मैदान पर कमाल

कई लोगों का मानना है कि बुमराह का घरेलू प्रदर्शन कमतर है क्योंकि उन्हें भारत में आराम देकर विदेशी दौरे के लिए तैयार रखा जाता है। लेकिन उनका घरेलू रिकॉर्ड काफी प्रभावशाली है। भारत में खेलते हुए उनके औसत और विकेट लेने की क्षमता दर्शाती है कि बुमराह किसी भी पिच और हालात में अपना खेल दिखा सकते हैं।

भारत की पिचें अक्सर स्पिनर के अनुकूल होती हैं, लेकिन बुमराह तेज़ गेंदबाज़ होते हुए भी इन परिस्थितियों में अपने सभी हथियारों–नई गेंद की स्विंग, रिवर्स स्विंग, यॉर्कर और धीमी गेंद–का इस्तेमाल करते हैं और विपक्षी बल्लेबाज़ों को लगातार परेशान करते हैं।

टेस्ट में विकेट लेने का मास्टर

स्पिनरों के मुकाबले, जिन्हें भारत में विकेट लेने में लंबा समय लगता है, बुमराह आमतौर पर सिर्फ कुछ ओवरों में महत्वपूर्ण विकेट हासिल कर लेते हैं। उनके इस रिकॉर्ड और रणनीति ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट में भारत के सबसे प्रभावशाली तेज़ गेंदबाज़ों में शामिल कर दिया है।

वापसी ने बढ़ाया आत्मविश्वास

बुमराह की यह शानदार वापसी न केवल टीम इंडिया के लिए राहत देने वाली है, बल्कि उनके व्यक्तिगत करियर को भी नई ऊँचाइयों पर ले जाएगी। एशिया कप के बाद बुमराह ने साबित कर दिया कि वे किसी भी परिस्थिति में अपनी लय और ताकत वापस ला सकते हैं, और आगामी मैचों में उनका प्रदर्शन भारतीय टीम के लिए अहम भूमिका निभाएगा।

मोहम्मद सिराज ने स्टार्क को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच अहमदाबाद में शुरू हुई टेस्ट सीरीज का पहलादिन टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के नाम रहा. सिराज ने मैच की पहली पारी में वेस्टइंडीज के टॉप ऑर्डर को ध्वस्त कर दिया. उन्होंने कुल 4 विकेट झटके.

खास बात ये रही कि शुरुआती चार में से तीन अहम बल्लेबाजों को सिराज ने आउट किया. इसी के साथ वह साल 2025 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप खेलने वाली सभी टीमों के बीच सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए.

सिराज ने हासिल की ये उपलब्धि: सिराज ने इस साल (2025) अब तक 7 टेस्ट मैचों की 12 पारियों में कुल 30 विकेट हासिल किए हैं. वेस्टइंडीज़ के खिलाफ जब उन्होंने अपना तीसरा विकेट लिया, तभी उन्होंने इस साल की लिस्ट में टॉप पोज़िशन पर कब्ज़ा जमा लिया. इस दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज़ गेंदबाज़ मिचेल स्टार्क को पीछे छोड़ दिया.

स्टार्क ने 14 पारियों में 29 विकेट लिए हैं. यह उपलब्धि सिराज के करियर के लिए बेहद खास है क्योंकि वह लगातार अपने प्रदर्शन से भारतीय गेंदबाज़ी आक्रमण की रीढ़ बनते जा रहे हैं. अहमदाबाद की हरी पिच पर उन्होंने जिस आक्रामक लय में गेंदबाज़ी की, उससे कैरेबियाई बल्लेबाज़ शुरुआत से ही दबाव में आ गए.

दिनेश कार्तिक का हांगकांग सिक्सेज के साथ करार, टीम इंडिया की कमान संभालेंगे

हांगकांग, एजेंसी। दिनेश कार्तिक ने हांगकांग सिक्सेज के साथ करार किया है। हाल ही में आईएलटी20 में शारजाह वॉरियर्स के लिए खेलने के लिए सहमत होने के बाद कार्तिक (40) अपने पूर्व भारतीय और तमिलनाडु टीम के साथी आर अश्विन के साथ जुड़ेंगे, जिन्होंने पहले इस सिक्स-ए-साइड टूर्नामेंट में भाग लेने की पुष्टि की थी। आयोजकों, क्रिकेट हांगकांग,ने कहा कि कार्तिक भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। कार्तिक ने कहा, हांगकांग सिक्सेस में टीम इंडिया का नेतृत्व करना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसका इतिहास इतना समृद्ध और वैश्विक है। मैं ऐसे खिलाड़ियों के समूह का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक हूँ जिनके नाम अविश्वसनीय रिकॉड हैं। हम साथ मिलकर प्रशंसकों को खुशी प्रदान करेंगे और निडर और मनोरंजक क्रिकेट खेलेंगे। यह टूर्नामेंट 7 से 9 नवंबर तक चलेगा। क्रिकेट हांगकांग चीन के अध्यक्ष बुर्जी श्रॉफ ने कहा, हमें हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए टीम इंडिया के कप्तान के रूप में दिनेश का स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। उनका नेतृत्व और अनुभव इस प्रतियोगिता में अपार मूल्य जोड़ेंगे, और हमें विश्वास है कि उनकी उपस्थिति दुनिया भर के प्रशंसकों को इस शानदार क्रिकेट उत्सव का गवाह बनने के लिए आकर्षित करेगी। इस तीन दिवसीय आयोजन में कुल 12 टीमें भाग लेंगी जिसमें दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, नेपाल, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, यूएई, भारत, पाकिस्तान, कुवैत, श्रीलंका, बंगलादेश और हांगकांग शामिल हैं। टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है और भारत और पाकिस्तान को, उम्मीद के मुताबिक, एक ही ग्रुप (ग्रुप सी) में रखा गया है। प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेंगी। क्वार्टर फाइनल की विजेता टीमें कप सेमीफाइनल में खेलेंगी जबकि हारने वाली टीमें प्लेट सेमीफाइनल में खेलेंगी।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिपः

एकलर, ब्लैकवेल और यारोवी ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में चल रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की लंबी कूद टी38 में लुका एकलर ने बुधवार को विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। हंगरी की लुका ने 5.91 मीटर की छलांग लगाई। लुका एकलर ने अपना पुराना रिकॉर्ड (5.82 मीटर) तोड़ा। जयदीन ब्लैकवेल (अमेरिका, पुरुषों की 400 मीटर टी-38) और ओलेक्सांद्र यारोवी (न्यूट्रल पैरा एथलीट, पुरुषों की शॉट पुट एफ-20) अन्य एथलीट थे, जिन्होंने नई दिल्ली 2025 में पांच दिनों की प्रतियोगिता में स्थापित विश्व रिकॉर्डों की संख्या बढ़ाकर 18 कर दी। 21 वर्षीय जयदीन ब्लैकवेल ने पुरुषों की 400 मीटर टी38 फाइनल में 48.00 सेकंड का विश्व रिकॉर्ड समय बनाया। रविवार को चैंपियनशिप रिकॉर्ड के साथ 100 मीटर टी38 जीतने के बाद, उन्होंने बिना किसी चुनौती के शानदार जीत हासिल की और कोबे 2024 विश्व चैंपियनशिप और पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में जीते गए अपने दो स्वर्ण पदकों को दोहराया।

ओलेक्सांद्र यारोवी ने पुरुषों की शॉट पुट एफ20 फाइनल में मैक्सिम कोवल के साथ मिलकर यूक्रेन को 1-2 से हराया। कोवल ने अपने तीसरे प्रयास में 17.73 मीटर का विश्व रिकॉर्ड बनाया। मलेशिया के मुहम्मद जियाद जोल्केफली ने भी 17 मीटर से अधिक की दो थ्रो के साथ यूक्रेन को कड़ी टक्कर दी। हजर सफरजादेह गहदेरीजानी (ईरान) फिनिश लाइन से चूक गईं और महिलाओं की 400 मीटर टी12 स्पर्धा का स्वर्ण पदक मात्र सौवें सेकंड से हार गईं। शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखने के बावजूद उन्हें रजत पदक से संतुष्ट होना पड़ा। अन्ना कुलिनिच-सोरोकिना ने स्वर्ण जीता। चीन के पास पदक तालिका में ब्राजील से आगे निकलने का मौका था, लेकिन महिलाओं की 100 मीटर टी11 स्पर्धा के फाइनल में ब्राजील की जेरुसा गेबर ने 11.81 सेकंड के प्रयास के साथ एक नया चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक जीतकर ब्राजील को आगे रखा।

यूईएफए चैंपियंस लीगः

पीएसजी ने बार्सिलोना को हराया, मोनाको ने मैनचेस्टर सिटी को बराबरी पर रोका

बार्सिलोना, एजेंसी। सेने मायुलु ने मैच के 38वें मिनट में बराबरी का गोल दागा जबकि रामोस ने आखिरी क्षणों में गोल कर बार्सिलोना की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।गोंकालो रामोस के 90वें मिनट में किए गोल की मदद से पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने चैंपियंस लीग फुटबॉल मैच में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए बार्सिलोना को 2-1 से हराया।ओसमान डेम्बेले, डिजायर डोउए और ख्विचा क्वारात्सखेलिया जैसे अग्रिम पंक्ति के अनुभवी खिलाड़ियों के बिना मैदान में उतरी गत चैंपियन पीएसजी की टीम बार्सिलोना के 'एस्तादी ओलिंपिक लुईस कंपनीस' स्टेडियम में 1-0 से पिछड़ रही थी। सेने मायुलु ने मैच के 38वें मिनट में बराबरी का गोल दागा जबकि रामोस ने आखिरी क्षणों में गोल कर बार्सिलोना की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। बार्सिलोना के लिए फेरान टोरेस ने 19वें मिनट में मैच का पहला गोल किया था। मैनचेस्टर सिटी को मोनाको के खिलाफ 2-2 के ड्रॉ से अंक साझा करने पर मजबूर होना पड़ा।

एरिक डायर ने 90वें मिनट में पेनल्टी से गोल कर मैनचेस्टर सिटी को जीत दर्ज करने से रोक दिया। एर्लिंग हालैंड ने एक बार फिर चैंपियंस लीग में दो गोल किए। वह पिछले महीने ही इस लीग में सबसे तेज 50 गोल करने वाले खिलाड़ी बने थे। अब 60 गोल के आंकड़े तक सबसे तेजी से पहुंचने के करीब हैं। लियोनेल मेसी ने 80 मैचों में यह कारनामा किया था। हालैंड ने 50 मैचों में 52 गोल किए हैं। अन्य मैचों में विलारीयाल और युवेंटस का मुकाबला भी 2-2 की बराबरी खत्म हुआ। इसमें रेनाटो वेइगा ने अंत में बराबरी का गोल किया। आर्सेनल ने ओलंपियाकोस को 2-0 से हराकर प्रतियोगिता में अपनी शत प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड कायम रखा। नेपोली ने स्पोर्टिंग लिस्बन को 2-1 से शिकस्त दी जबकि बोरुसिया डॉर्टमुंड ने एथलेटिक बिलबाओ को 4-1 से हराया। बेयर लेवरकुसेन और पीएसवी आइंडहोवन के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा।

शुभमन गिल ने खोल दिया बड़ा राज, कैसे सचिन तेंदुलकर के गुरुमंत्र से इंग्लैंड दौरे पर किया कमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में अपना अभियान इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज से किया था। यह पहला मौका था जब टीम युवा टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी में रेड बॉल क्रिकेट खेलने उतरी थी। इस सीरीज में युवा भारतीय टीम ने अंग्रेजों की नाक में दम कर दिया था। सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई थी। अब भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ इस सीरीज से जुड़ा बड़ा राज खोल दिया है। उन्होंने बताया है कि इंग्लैंड के दौरे से पहले उन्होंने सचिन तेंदुलकर और एक ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज से खास सलाह ली थी। गौरतलब है कि शुभमन ने इस दौरे पर चार शतकों की बदौलत 754 रन बनाए थे। शुभमन गिल ने अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैच से पहले जियो हॉटस्टार से खास बातचीत की और बताया कि उनके प्रदर्शन के पीछे दो दिग्गजों की सलाह बहुत काम आई थी। भारतीय कप्तान ने बताया कि इंग्लैंड दौरे से पहले उन्होंने क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की सलाह ली थी। उन्होंने बताया,'भारत के बाहर अच्छा प्रदर्शन नहीं करने का दबाव पहले से था। लेकिन मुझे विश्वास था कि जिस तरह से मैंने अपने तैयारी की थी। मैंने सचिन सर से बात की थी और मैथ्यू वेड से स्टीव स्मिथ का नंबर लेकर उनसे भी सलाह मांगी थी। दोनों ने एक ही बात कही थी- डिफेंड स्ट्रेट एंड स्कोर स्कॉयर।'

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड दौरे पर 75.40 की औसत से 754 रन बनाए थे। उनके बल्ले से चार शतक निकले थे। उनकी बल्लेबाजी में खास बात यह नजर आई थी कि उन्होंने जब भी पचास रनों का आंकड़ा पार किया तो उसे शतक में तब्दील किया था। उन्होंने दोनों दिग्गजों की सलाह को बखूबी माना था और उसका असर इंग्लैंड की कंडीशन में उनके प्रदर्शन में नजर आया। इससे पहले लगातार शुभमन गिल को जेम्स एंडरसन, काइल जेमिसन, टिम साउदी, स्कॉट बोलैंड जैसे गेंदबाजों ने परेशान किया था। उनकी आगे वाले पैर पर लो वेट ट्रांसफर की समस्या लगातार सामने आ रही थी।